

धूलन्द मंजिल

Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

उ.प्र. के जनपद सम्मल से प्रकाशित...

बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...



वर्ष : 01 अंक : 136

संभल, बुधवार 29 अप्रैल 2026

पृष्ठ : 12

मूल्य : 05/-रु.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात, डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

सिक्किम पूर्वी भारत का स्वर्ग: पीएम मोदी

4000 करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

पीएम मोदी ने सिक्किम के विकास की अनदेखी के लिए कांग्रेस पर साधा निशाना



गंगटोक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम राज्य की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के समापन कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंगलवार को 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। अधिकारियों ने बताया कि ये परियोजनाएं अवसंरचना, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा सिक्किम के राज्य बनने के 50 साल में

एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और यह हिमालयी राज्य के तेज और सतत विकास के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गंगटोक में सिक्किम के राज्य बनने के 50 साल पूरे होने के जश्न के समापन समारोह में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने यह भी दोहराया कि उनकी सरकार राज्य के विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इस पुरानी पार्टी ने सिक्किम की विकास परियोजनाओं को 'ठंडे बस्ते में'

डाल दिया था। उन्होंने कहा "सिक्किम ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन को साबित कर दिखाया है। इस कार्यक्रम में, आपने पूरे हिंदुस्तान को हमारी आँखों के सामने ला दिया है। सचमुच, आपने सबका दिल जीत लिया है। भारत के प्रति यही सच्ची निष्ठा और देशभक्ति है। इसी के जरिए नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जागृत होती है,"। केंद्र सरकार और पीएम मोदी, इको-वेलनेस

किंडेरियम का दौरा और आधुनिक पार्क की झलक

अपने कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री स्वर्णजयंती मैत्री मंजरी पार्क स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। यह पार्क एक विश्वस्तरीय ऑर्किड अनुभव केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जिसे सिक्किम की प्राकृतिक खूबसूरती और जैव विविधता का प्रतीक माना जा रहा है। इसके बाद प्रधानमंत्री पलजोर स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होंगे, जहां वे विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और जनता को संबोधित भी करेंगे। इन परियोजनाओं में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यटन, कृषि और शहरी विकास जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है।

दूरिज्म को भी बढ़ावा दे रहे हैं और वहाँ के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जा रहा है। भारत के पूर्वोत्तर को भारत की 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार 'एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट' (पूर्व की ओर बढ़ो, तेजी से बढ़ो) के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने सिक्किम की कनेक्टिविटी को किस तरह से बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा "कल रोडशो के दौरान मैंने जो सबसे अच्छी चीज देखी, वह थी सिक्किम को सड़कों की सफाई। दूर-दूर तक कहीं भी गंदगी का नामोनिशान नहीं

था... हवा में भी सफाई थी... सड़कों पर भी सफाई थी... आप, सिक्किम के लोग, प्रकृति के सच्चे रखवाले और ब्रांड एम्बेसडर हैं। उन्होंने कहा कि सिक्किम पूरब का स्वर्ग और ऑर्किड का बगीचा है, और यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस राज्य की "अतुलनीय सुंदरता, शांत वातावरण और आध्यात्मिक आनंद" का अनुभव करने का मौका मिला। उन्होंने प्रकृति से प्रेम करने वाले पर्यटकों से भी सिक्किम में ऑर्किड के बगीचों को देखने आने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा "केंद्र में इच्छा सरकार

के सत्ता में आने के बाद, सिक्किम में विकास की रफ्तार एक बार फिर तेज हो गई है। पहली बार, रेलवे सिक्किम तक पहुँचने जा रहा है। इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री ने सिक्किम में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का अनावरण किया, और राज्य के 50 साल के राज्यत्व समारोह के समापन समारोह में भी शामिल हुए। ये परियोजनाएँ बुनियादी ढाँचा, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि जैसे कई क्षेत्रों को कवर करती हैं।

जयशंकर ने यूएनजीए प्रमुख से की मुलाकात, प. एशिया संघर्ष समेत इन वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बैठक में यूएन80,सतत विकास लक्ष्य, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा हुई। साथ ही आज के समय के अनुसार वैश्विक संस्थाओं में सुधार की जरूरत पर जोर दिया गया, खासकर वैश्विक दक्षिण के हितों को ध्यान में रखते हुए।



सहयोग को मजबूत करने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों के देशों के गठबंधन की बात कही। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का बड़ा लोकतंत्र है और ऐसे समय में वैश्विक सहयोग में उसकी अहम भूमिका है।

यूएनजीए प्रमुख ने कहा, संयुक्त राष्ट्र का चार्टर हमारा साझा जीवन बीमा है। इस 80वें सत्र में सत्र में महासभा के अध्यक्ष के रूप में मेरी प्राथमिकता संयुक्त चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन की रक्षा करना है। इसको लेकर मैंने बहुपक्षीय और संयुक्त राष्ट्र का समर्थन करने के लिए एक अंतर-क्षेत्रीय गठबंधन बनाने का भी आग्रह किया है। यही वजह है कि मैं भारत की यात्रा पर आई हूँ, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसका बहुपक्षवाद में निरंतर नेतृत्व और साझेदारी इन परिस्थिति में बेहद अहम है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन के प्रति प्रतिबद्धता हम सभी के लिए शांति की गारंटी है। संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने 80 वर्षों के इतिहास में अहम भूमिका निभाई है।

हैदराबाद हाउस में हुई इस मुलाकात में बेयरबॉक ने भारत सरकार के आमंत्रण और मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, दुनिया में बढ़ते तनाव, विभाजन और संयुक्त राष्ट्र के मूल सिद्धांतों पर दबाव जैसी चुनौतियाँ सामने हैं। जलवायु परिवर्तन, कोविड जैसी महामारी और युद्धों के आर्थिक असर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी हिस्से की घटना का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। वैश्विक सहयोग में भारत की भूमिका अहम: बेयरबॉक

6500 करोड़ की परियोजनाओं से बदलेगा

ग्वालियर का स्वरूप: ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर/भोपाल। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज मंगलवार ग्वालियर में वेस्टर्न बायपास का निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं, समर्थकों और जनसमुद्र ने केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत किया। सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना शहर के विकास को पूर्व से पश्चिम की ओर संतुलित करने में मील का पत्थर साबित होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की स्वीकृति से यह योजना अब जमीन पर उतरने जा रही है, जिससे ग्वालियर को नई कनेक्टिविटी और गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वेस्टर्न बायपास परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिल्ली, भोपाल और ग्वालियर से जुड़े एनएचआई अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति, गति और गुणवत्ता की व्यापक समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को परियोजना को तय समय-सीमा के भीतर उच्च मानकों के साथ पूरा करने के निर्देश दिए ताकि



ग्वालियर क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी और यातायात सुविधा का लाभ शीघ्र मिल सके। उल्लेखनीय है कि 88 किमी लंबे ग्वालियर-आगरा एक्सप्रेसवे को वेस्टर्न बायपास के माध्यम से जोड़ा जाएगा। जिसे 4-लेन हाईवे में विकसित किया जाएगा। 29 किमी लंबी इस परियोजना पर लगभग ₹1347 करोड़ खर्च होंगे, जो आगे शिवपुरी एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगी। निरीक्षण के बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन से ग्वालियर-चंबल के विकास को नई गति मिली है। बता दें कि पिछले साल अप्रैल के माह में सिंधिया के प्रयासों से वेस्टर्न बाईपास

को मिली थी मंजूरी। विदित रहे कि इस बायपास परियोजना के 3 एंटी-एग्जिट पॉइंट बनाए जाएंगे, जिससे 88 किमी की दूरी मात्र 35 मिनट में और 30 किमी की दूरी 20 मिनट में तय की जा सकेगी। साथ ही वन्य क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए 13 अंडरपास का निर्माण भी प्रस्तावित है। सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर में कुल 6500 करोड़ की विकास योजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें 23 किमी लंबी 1400 करोड़ की एलिवेटेड रोड और 5000 करोड़ की आगरा-ग्वालियर 6 लेन एक्सप्रेसवे भी शामिल है। ये परियोजनाएं शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक और सक्षम बनाएंगी।

ग्वालियर के विकास पर बार करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर में एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन के विस्तार के साथ ही लगभग 300 करोड़ की लागत से आधुनिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। सरकार की आईटीबीपी सहित अन्य संस्थानों की स्थापना से भी क्षेत्र में रोजगार और विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्वालियर को दिल्ली के कार्टर मैनेज शहर के रूप में विकसित करने की सोच के तहत रअरूअ का गठन किया गया था। अब तक विकास पूर्वी क्षेत्र में केंद्रित रहा, लेकिन वेस्टर्न बायपास के माध्यम से पश्चिमी क्षेत्र में भी विकास को गति मिलेगी और SADA का सपना साकार होगा।

पीएम मोदी ने विपक्ष पर साधा निशाना बोले- नारी शक्ति से भयभीत हैं परिवारवादी दल

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी वंदन सम्मेलन में महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज देश की लगभग 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और उनमें से करीब तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में बनारस की हजारों महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने भोजपुरी में कहा, अभी त शुरुआत भयल है, ई बोनस बढ़त जाई, जिससे कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं में उत्साह का माहौल बन गया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का अभियान शुरू हो चुका है और इसमें महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पहली बार सैनिक स्कूलों और रक्षा क्षेत्र के द्वार बेटियों के लिए खोले गए हैं, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई संसद के गठन के बाद महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया और वर्ष 2023 में नारी वंदन अधिनियम लाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना

साधते हुए कहा कि कुछ परिवारवादी दल नारी शक्ति से भयभीत हैं और नहीं चाहते कि महिलाएं विधानसभा और संसद तक पहुँचें। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को डर है कि यदि महिलाएं बड़ी संख्या में राजनीति में आईं, तो उनकी पारंपरिक राजनीति समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सोच नारी शक्ति का सम्मान और नागरिक देवों भव: की भावना पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं से आग्रह किया कि वे देश को विकसित बनाने के इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में लंबे समय तक महिलाएं उपेक्षित रहीं। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाओं से सवाल तक नहीं पूछे जाते थे और सीधे निर्णय थोप दिए जाते थे। यह स्थिति केवल काशी ही नहीं, बल्कि देश के अधिकांश हिस्सों में बहन-बेटियों का अनुभव रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह करीब 25 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने इस सोच को बदलने का संकल्प लिया।

सीएम योगी कल करेंगे शिव मंदिर पर ध्वजारोहण

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ बुधवार को राम मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर पर ध्वजारोहण करेंगे। कार्यक्रम में करीब 1000 मेहमान शामिल होंगे। प्रवेश केवल क्यूआर कोड पास से ही दिया जाएगा। सुरक्षा कारणों से मोबाइल फोन, लाइसेंस हथियार और अंगरक्षकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मुख्यमंत्री करीब दो घंटे तक परिसर में रहेंगे। ध्वजारोहण कार्यक्रम शाम पांच बजे निर्धारित है, जिसके बाद वह उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को रामलला का प्रसाद वितरित किया जाएगा तथा राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों के दर्शन भी कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री हनुमान गढ़ी में भी दर्शन-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री के दौर को देखते हुए राम मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व रूप से कड़ी कर दी गई है।

ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सभी अतिथियों को शाम चार बजे तक राम मंदिर परिसर में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। प्रवेश केवल क्यूआर कोड युक्त पास से ही दिया जाएगा। सुरक्षा कारणों से मोबाइल फोन, लाइसेंस हथियार और अंगरक्षकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मुख्यमंत्री करीब दो घंटे तक परिसर में रहेंगे। ध्वजारोहण कार्यक्रम शाम पांच बजे निर्धारित है, जिसके बाद वह उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को रामलला का प्रसाद वितरित किया जाएगा तथा राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों के दर्शन भी कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री हनुमान गढ़ी में भी दर्शन-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री के दौर को देखते हुए राम मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व रूप से कड़ी कर दी गई है।

फर्जी वसीयत केस में खरीदार को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने खत्म किया 20 साल पुराना आपराधिक मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल पुराने फर्जी वसीयत और जमीन धोखाधड़ी मामले में बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ विवादित संपत्ति खरीदना अपराध नहीं है, जब तक धोखाधड़ी या साजिश का ठोस सबूत न हो। वसीयत और जमीन धोखाधड़ी से जुड़े मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। इसके तहत कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में 20 साल पुराने फर्जी वसीयत और जमीन धोखाधड़ी मामले में एक खरीदार के खिलाफ चल रही

आपराधिक कार्रवाई को खत्म कर दिया है। यह मामला तमिलनाडु के करूर जिले से जुड़ा है। यह केस 2004 की एफआईआर से शुरू हुआ था, जिसमें आरोप था कि एक वसीयत को फर्जी तरीके से तैयार कर जमीन बेची गई और असली उत्तराधिकारियों को उनके हक से वंचित किया गया। इस मामले में कई लोगों के साथ-साथ जमीन खरीदने वाले भी आरोपी बनाए गए थे। कोर्ट ने किस बात को नहीं माना अपराध मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम

कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता शामिल थे, ने कहा कि सिर्फ किसी विवादित संपत्ति को पैसे देकर खरीद लेना अपने आप में अपराध नहीं माना जा सकता, जब तक यह साबित न हो कि खरीदार ने धोखाधड़ी या साजिश में हिस्सा लिया हो। कोर्ट ने साफ कहा कि इस मामले में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि खरीदार ने फर्जी वसीयत बनाने में कोई भूमिका निभाई थी या उसे इसकी जानकारी थी। इसलिए उसके खिलाफ आपराधिक केस जारी रखना गलत होगा।

नुकसान खरीदार को होता है- कोर्ट इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति मालिक होने का दावा करके संपत्ति बेचता है, तो आमतौर पर नुकसान खरीदार को होता है, न कि तीसरे पक्ष को जब तक कि धोखाधड़ी में उसकी सीधी भूमिका साबित न हो। कोर्ट ने यह मानते हुए कि इस खरीदार के खिलाफ केस चलाया न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा, उसके खिलाफ सभी आपराधिक कार्यवाही खत्म कर दी। हालांकि, बाकी आरोपियों के खिलाफ केस चलता रहेगा।

वैश्विक में राजनाथ सिंह और चीनी रक्षा मंत्री की मुलाकात

वैश्विक। तनाव और सीमा विवादों के बीच, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जून से मुलाकात की। शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के इतर हुई इस उच्च स्तरीय वार्ता ने एक बार फिर भारत-चीन संबंधों को पटर पर लाने की उम्मीदें जगा दी हैं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच चर्चा का मुख्य केंद्र 'क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता' रहा। राजनाथ सिंह और एडमिरल डोंग जून ने दोनों देशों के बीच सैन्य संचार (Military Communication) माध्यमों

को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। यह कदम सीमाओं पर गलतफहमी को दूर करने और कतिपय भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह बैठक एक ऐसे नाजुक समय में हुई है जब भारत और चीन 2020 में पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर हुई हिंसक झड़पों के बाद से अपने संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 2019 से भारत के रक्षा मंत्री के रूप में कमान संभाल रहे राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत की संप्रभुता और अखंडता के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता को भी स्पष्ट किया। रवाना होने से पहले, रक्षा मंत्री ने कहा था कि वह रउड के अन्य सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ-साथ किर्गिस्तान की राजधानी में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। राजनाथ ने (पहले टिवटर) पर पोस्ट किया था, "दुनिया में मौजूद सुरक्षा चुनौतियों के बीच, मैं वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करूँगा; इसके अलावा, आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति 'शून्य सहनशीलता' (Zero Tolerance) के भारत के निरंतर रुख को भी दोहराऊँगा।"

लाल आतंकवाद पर विराम

मा लाल में नक्सलवाद यानी कि लाल आतंकवाद की सांसे थम गई हैं। केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक इसके खत्म का संकल्प लिया था, जिसे पूरा कर दिखाया है। सुरक्षा बलों के कड़े प्रहार, आत्मसमर्पण नीति और विकास कार्यों के कारण छत्तीसगढ़, झारखंड जैसे राज्यों में नक्सलवाद पर विराम लगाने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए। जिसका परिणाम सामने है। जिस क्षेत्र में बेगुनाहों के खून से धरती लाल होती रही इससे निपटने के लिए हमारे जवान भी कुर्बान

हुए लेकिन अब इसी शहादत की बदौलत यहां के लोग चैन की नींद सो सकते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जब लोकसभा में बताया कि नक्सलवाद का खत्म कर दिया गया है, तब सदन में तालियों की गड़गड़ाहट से उनके वक्तव्य का स्वागत किया गया। सरकार के कठोर कदम से नक्सली अब मुख्यधारा में लौट आए हैं और उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में विकास की नई किरण दिख रही है। बड़ी संख्या में नक्सली या तो मुठभेड़ में मारे गए या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे उनका नापाक संगठन दम

तोड़ा गया। सरकार की पुनर्वास नीति और प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों, स्कूलों के निर्माण से अनुसूचित जनजाति के भरोसा वापस लौटा। केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश को पूरी तरह नक्सल मुक्त बनाने का संकल्प लिया था जिसे उसने पूरा किया। खास बात यह रही कि वर्ष 2014 की तुलना में 2024 में जवानों की शहादत में भारी कमी आई क्योंकि सरकार ने नक्सलवाद पर लगातार मुठभेड़ के लिए योजनाबद्ध तरीके से मुहिम छेड़ी, जिससे जवानों में भरपूर हौसला रहा। इसी कारण हमने काफी कम संख्या में

जवानों की शहादत से यह लक्ष्य हासिल किया। इसके लिए नक्सल प्रभावित जिलों में पुलिस स्टेशनों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ सुरक्षा शिविरों की स्थापना की गई। भारत में 'लाल आतंक' मुख्य रूप से नक्सलवाद या माओवादी हिंसा को कहा जाता है। यह एक हिंसक वामपंथी आंदोलन रहा है जो दशकों से देश के आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती बनकर उभरता रहा। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के जंगली इलाकों में यह पनपा। यह माओवादी विचारधारा का पालन करता है और सरकार के विरुद्ध हथियार उठाकर

अपने हक की लड़ाई का दावा करता है। लाल आतंक 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलवादी गांव से शुरू हुआ। इसका उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के किसानों की जमीन और अधिकारों के नाम पर सशस्त्र विद्रोह करना रहा। इसे 'रेड कॉरिडोर' के रूप में भी जाना जाता था, जो एक समय 100 से अधिक जिलों तक फैला था। सरकार ने केंद्रीय सुरक्षा बल की मदद से 'ऑपरेशन ब्लैकफॉरेस्ट' जैसे अभियान चलाए और कई बड़े नक्सलियों को निष्क्रिय किया। लोकसभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि देश

में नक्सलवाद की समस्या लगभग समाप्त हो गई है और मोदी सरकार द्वारा लिया संकल्प पूरा कर दिखाया गया है। गृहमंत्री अमित शाह ने देश में नक्सलवाद पनपने के लिए कांग्रेस और वामपंथी विचारधारा को जिम्मेदार ठहराया। शाह ने विभिन्न राज्यों में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए गए अभियानों की सफलता को रेखांकित करते हुए कहा हम ऐसा कह सकते हैं कि हम नक्सल मुक्त हो गए हैं। शाह ने यह भी कहा कि 1970 से लेकर 2004 तक, चार वर्ष छोड़कर पूरे समय कांग्रेस का शासन रहा

जिस दौरान यह विचारधारा पनपी और फैली। शाह ने करीब डेढ़ घंटे के भाषण के दौरान वामपंथी उग्रवाद से देश को मुक्त कराने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कई सुरक्षा विशेषज्ञ कहते थे कि सत्ता के समर्थन के बिना किसी हथियारबंद आंदोलन का देश के बीचोंबीच 'रेड कॉरिडोर' बनना संभव नहीं है। शाह ने कहा 2014 में सरकार बदली और मोदी सरकार ने वर्षों पुरानी समस्या का हल किया। उन्होंने कहा कि अब नक्सल मुक्त भारत भी इसी सरकार के शासन काल में बन रहा है।

माओवाद का खात्मा और साय सरकार की पुनर्वास नीति



सामयिक

अमिर् खान

क भी देश के एक तिहाई हिस्से पर अपनी समानांतर सरकार चलाने वाली माओवादी विचारधारा का क्या आज अंत हो जाएगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने आज ही के दिन को माओवादी आतंकवाद का आखिरी दिन घोषित कर रखा है। ठीक एक हफ्ते पहले यानी 25 मार्च को बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर में शीर्ष माओवादी नेता पापा राव के नेतृत्व में 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, तब कहा गया कि पापा राव आखिरी महत्वपूर्ण नक्सली कमांडर हैं और उन्होंने भी हथियार सौंप दिए हैं।

2014 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में माओवाद पर लगातार का वादा किया था। तब झीरम घाटी क्रांति का दावा ताजा था, जिसमें विद्याचरण शुक्ल समेत छत्तीसगढ़ कांग्रेस का तकारीबन समूचे शीर्ष नेतृत्व का माओवादियों ने घेरकर मार डाला था। वैसे तो नक्सली खुद भी मानते रहे हैं कि उनके लिए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में खास अंतर नहीं रहा। अलबत्ता कांग्रेस की सरकार उस स्तर तक माओवादी हिंसा के खिलाफ सख्त कदम उठाने से बचती रही हैं, जिस तरह के कदम भाजपा की अगुआई वाली सरकारें उठाती रही हैं। बस्तर में छह अप्रैल 2010 को बारूदी सुरंगों के जरिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 76 जवानों को उड़ाने के बाद नक्सलियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी गुस्सा था।

मनमोहन सिंह की अगुआई वाली तत्कालीन केंद्र सरकार माओवादियों के खिलाफ सैनिक कार्रवाई का मन बना चुकी थी, लेकिन माओवादी विचारधारा वाली सिविल सोसायटी के दबाव में यह विचार उसने त्याग दिया था। लेकिन भाजपा ने माओवादियों के लिए कोई रियायत नहीं बरती। 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय की कमान सभालने के बाद अमित शाह तो खुलेआम नक्सलियों को चेतावनी देनी शुरू कर दी कि या तो वे हथियार डालें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा से देश को मुक्त कर देने का ऐलान कर दिया था।

जिस तरह हाल के दिनों में शीर्ष नक्सली कमांडर या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने हथियार डाले हैं, उससे लगता है कि भाजपा सरकार का देश से किया यह वादा पूरा होने जा रहा है। वैसे इसमें राज्य सरकारों द्वारा जारी पुनर्वास योजनाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। इस सिलसिले में छत्तीसगढ़ सरकार का विशेष तौर पर उल्लेख किया जाना चाहिए। माओवादी विचारधारा के प्रभाव आकर घर-परिवार, सुख-चैन छोड़कर जंगलों की खाक छानने में लाने में सिर्फ केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलियों ने ही भूमिका नहीं निभाई है, बल्कि राज्यों की पुनर्वास योजनाओं की भी बड़ा योगदान रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 2025-26 की अपनी पुनर्वास नीति में हिंसा छोड़ने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें उसका 'पूना मारगेम' अभियान प्रमुख रहा। इन दोनों शब्दों का अर्थ है 'नया रास्ता'। इसके तहत डंडकारण्य क्षेत्र के सैकड़ों माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में वापस लाने की सफल कोशिश हुई। इस योजना के तहत नक्सलियों की वापसी के बाद उन्हें नई जिंदगी शुरू



करने के लिए तत्काल डेढ़ लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता दी गई, साथ ही उन्हें तीन साल के लिए मासिक वजीफा और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना शुरू हुआ। इसका मकसद यह रहा कि हथियार छोड़ने के बाद मुख्यधारा में लौटे माओवादी आत्मनिर्भर जिंदगी बीता सकें। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने हथियार सौंपने वाले माओवादियों को अलग से प्रोत्साहन राशि देने की भी व्यवस्था की। इससे राज्य में माओवादियों के समर्पण में तेजी आई। हथियार छोड़ने वाले माओवादियों के बच्चों की शिक्षा का इंतजाम किया गया, इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित आवास भी मुहैया कराए गए। इसके साथ ही उन्हें वापसी के बाद भयमुक्त जीवन गुजारने के लिए परिवार की सुरक्षा की गारंटी भी दी गई। ये योजनाएं अभी खत्म नहीं हुई हैं और जारी भी हैं।

कभी माओवादियों के जर से बस्तर में सड़कें तक बनाना संभव नहीं था, बिजली पहुंचाना भी कठिन था। लेकिन केंद्र सरकार की शह पर राज्य सरकार ने बस्तर जैसे हिंसा प्रभावित क्षेत्र में भी सड़क, स्कूल और अस्पतालों का निर्माण कराने में तेजी दिखाई। बस्तर के कुछ इलाकों में रेलवे लाइन भी पहुंच गई है। अब इस इलाके में सड़कें समझाने में कामयाब रहे थे कि मौजूदा व्यवस्था और तंत्र सिर्फ और सिर्फ उनका शोषण ही कर रहा है। चूंकि विकास की धारा इन इलाकों में माओवादी हथियारबंद दस्तों के अवरोध के चलते बह नहीं पा रही थी, इस लिए अविश्वास का माहौल बढ़ता रहा। लेकिन मोदी सरकार ने सत्ता संभालते ही एक तरफ माओवादियों ने सरकार की पुनर्वास नीति के तहत

गोली का जवाब गोली से देना शुरू किया, वहीं दूसरी तरफ उनके पुनर्वास के साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की धारा को भी बहाने की कोशिश तेज की। माओवादी कहते रहे हैं कि सत्ता की राह बंदूक की गोली से निकलती है, बारूद से निकलती है, मोदी सरकार ने कुछ उसी अंदाज में माओवादी सत्ता की राह बंदूक और बारूद से रोका, लेकिन दूसरी तरफ पुनर्वास अभियान भी जारी रखा। इसमें राज्य सरकारों की भी भूमिका खास रही। चूंकि छत्तीसगढ़ नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है, इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार ने इस अभियान में बड़-चक्रवर्त हिस्सा लिया। राज्य में विष्णुदेव साय की अगुआई में भाजपा सरकार आने के बाद इस अभियान को कुछ ज्यादा ही गति मिली। जिसका नतीजा सामने है।

कभी पश्चिम बंगाल के नक्सलवाद से शुरू हिंसक और माओवादी विचारधारा का असर देश के एक तिहाई हिस्से पर रहा। लेकिन अब यह विचारधारा और उसके हथियारबंद अनुयायी निस्तेज नजर आ रहे हैं। कह सकते हैं कि वामपंथ की तरह माओवादी विचारधारा भी भारत में कुंद हो गई। नक्सली हिंसा पर लगातार इस लगाम का ही प्रतीक है। वैसे यह भी सच है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं, एक विचारधारा के रूप में वह माओवाद भी जिंदा रह सकता है। लेकिन अब उसके उस तरह प्रतिबद्ध अनुयायी नहीं होंगे, उनकी गोलियों की आवाज और धमक भी नहीं होगी। अगर यह विचारधारा लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़े तो शायद ही किसी को एतराज होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि अगर वह विचारधारा जिंदा भी बचती है तो वह लोकतांत्रिक ढंग से आगे बढ़ेगी, हथियारों के दम पर नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं)

विवाह, स्वतंत्रता और वैचारिक हस्तक्षेप प्रयोगशाला बन रहा है हमारा समाज ?



डॉ. राधा मिश्रा

हा ल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडीठ ज़िम्मे में जस्टिस तरुण सक्सेना और जस्टिस जेजे मुनीर शामिल थे, इन्होंने एक ऐसा निर्णय दिया, जिसने सामाजिक और वैचारिक स्तर पर गहन बहस को जन्म दिया है। इस निर्णय में एक विवाहित पुरुष को किसी अन्य वयस्क महिला के साथ लिंव-इन संबंध में रहने की अनुमति दी गई। यह केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि समाज की दिशा से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

स्वतंत्रता की बदलती परिभाषा-व्यक्तिगत स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, किंतु जब इसे इस रूप में प्रस्तुत किया जाने लगे कि वह किसी भी सामाजिक या नैतिक बंधन से पूर्णतः मुक्त हो, तब समस्या उत्पन्न होती है। पहले भी लिंव-इन संबंधों को उन परिस्थितियों के समाधान के रूप में स्वीकार किया गया था, जहां विवाह संभव नहीं था और उसे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का नाम दिया गया था। लेकिन जब यही अवधारणा विवाहित व्यक्तियों के संबंध में भी लागू होने लगे, तो यह एक नया सामाजिक संकेत देती है कि प्रतिबद्धता अब अनिवार्य नहीं, बल्कि विकल्प बनती जा रही है। न्यायपालिका और सामाजिक संतुलन-न्यायपालिका का दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना ही नहीं, बल्कि समाज में संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होना है। जब निर्णयों में 'दो वयस्कों की सहमति' को सर्वोपरि मान लिया जाता है और उसके सामाजिक प्रभावों को गौण कर दिया जाता है, तब यह एकरतफा दृष्टिकोण बन जाता है। इस प्रकार के निर्णयों से

कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े होते हैं- क्या विवाह के रहते हुए भी अन्य संबंधों को वैधता का संकेत देना परिवार की स्थिरता को प्रभावित नहीं करेगा? क्या इससे पति-पत्नी के बीच विश्वास कमजोर नहीं होगा? क्या इसका प्रभाव बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर नहीं पड़ेगा? पश्चिमी समाजों में इसी प्रकार की प्रवृत्तियों के परिणामस्वरूप परिवारों का विखंडन, अकेलापन और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। भारत में यदि बिना सामाजिक संदर्भों को समझे उसी दिशा में बढ़ा गया, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। वैचारिक हस्तक्षेप: परिवार क्यों निशाने पर है? यह परिवर्तन केवल सामाजिक नहीं, बल्कि वैचारिक भी है। आधुनिक विमर्श में एक ऐसी विचारधारा सक्रिय है, जो स्थापित संस्थाओं विशेषकर परिवार को चुनौती देती है। परिपरिक मानसवादी दृष्टिकोण आर्थिक ढांचे को बदलने पर केंद्रित था, किंतु इसका आधुनिक रूप कल्चरल स्तर पर कार्य करता है जहां परिवार, विवाह और सामाजिक मूल्यों को 'व्यक्तिगत विकल्प' के नाम पर पुनर्परिभाषित किया जाता है। परिवार, जो व्यक्ति को अनुशासन, त्याग और जिम्मेदारी सिखाता है, इस दृष्टिकोण के लिए सबसे बड़ी बाधा बनता है। इसीलिए, धीरे-धीरे ऐसी अवधारणाएं सामान्य की जाती हैं, जो इस संरचना को कमजोर करती हैं।

भारतीय दृष्टि में : संतुलन का मार्ग-भारतीय चिंतन में स्वतंत्रता और कर्तव्य को साथ-साथ रखा गया है। यहां विवाह केवल एक कानूनी अनुबंध नहीं, बल्कि एक संस्कार है जो व्यक्ति को जिम्मेदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ता है। परिवार को समाज की मूल इकाई माना गया है। यदि यह इकाई कमजोर होती है, तो उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। मूल प्रश्न है दिशा का चुनाव-आज आवश्यकता केवल किसी एक निर्णय की आलोचना या समर्थन की नहीं, बल्कि व्यापक

चिंतन की है क्या हर वैध चीज, सामाजिक दृष्टि से भी उचित होती है? क्या न्यायपालिका को केवल विधिक दृष्टि से निर्णय लेना चाहिए, या उसे समाज की दीर्घकालिक स्थिरता को भी ध्यान में रखना चाहिए? क्या हम ऐसा समाज बनाना चाहते हैं जहां व्यक्तिगत इच्छा सर्वोपरि हो, या ऐसा जहां स्वतंत्रता और जिम्मेदारी दोनों संतुलित रहें? यह विषय केवल किसी एक न्यायिक निर्णय या व्यक्तिगत स्वतंत्रता का नहीं, बल्कि उस आधार का है जिस पर समाज और राष्ट्र खड़े होते हैं। परिवार समाज की पहली इकाई है, यहीं से व्यक्ति संस्कार, अनुशासन, कर्तव्य और संबंधों का अर्थ सीखता है। यदि यही इकाई कमजोर होने लगे, तो उसका प्रभाव केवल घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज में दिखाई देता है। जब परिवार कमजोर होता है, तो रिश्तों में स्थिरता कम होती है, बच्चों के विकास में अस्तुलन आता है, और व्यक्ति अधिक अकेला, असुरक्षित और मानसिक रूप से अस्थिर होता जाता है। ऐसा समाज धीरे-धीरे विश्वासहीन (ट्रस्ट-डिफिसिट सोसायटी) में बदलने लगता है, जहां संबंध टिकाऊ नहीं रहते, और हर चीज अस्थायी बन जाती है। और जब समाज का यह ढांचा कमजोर होता है, तो उसका प्रभाव राष्ट्र पर भी पड़ता है। क्योंकि एक सशक्त राष्ट्र केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि मजबूत परिवारों और स्थिर समाज से बनता है। यदि परिवार ही विखंडित होने लगे, तो सामाजिक एकता, सांस्कृतिक निरंतरता और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा इन तीनों पर संकट खड़ा हो जाता है। इसलिए प्रश्न केवल इतना नहीं है कि क्या वैध है, बल्कि यह है कि क्या वह हमारे समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाता है या कमजोर? आज आवश्यकता है संतुलन की जहां स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे और समाज की जड़ें भी मजबूत बनी रहें। क्योंकि अंततः परिवार बचेगा तो समाज बचेगा, और समाज बचेगा तो राष्ट्र सशक्त रहेगा।

(लेखिका समाज शास्त्र की प्राध्यापक हैं)

आईएफएडी 2026 का भव्य आगज़

दिल्ली सिनेमा की नई राजधानी बनने की ओर



आशीष कुमार 'अंशु'

विदेश के अभिनेता, निर्देशक, निर्माता और फिल्म प्रेमी एक मंच पर आए। इससे फिल्म निर्माण को बढ़ावा मिला और दिल्ली का पर्यटन भी नई ऊंचाइयों को छूने लगा। IFFD 2026 दिल्ली फिल्म फेस्टिवल का प्रमुख हिस्सा साबित हुआ, जिसने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उद्घाटन समारोह : लाल कालीन पर सितारों की बारिश- 25 मार्च 2026 को भारत मंडपम में लाल कालीन बिछाई गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्सव का उद्घाटन किया। समारोह में हेमामालिनी, शर्मिला टैगोर, कंगना रानीत, अर्जुन कपूर, निमरत कोर, विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर जैसी कई हस्तियां मौजूद रहीं। उद्घाटन फिल्म 'सिरात' (Sirat) की स्क्रीनिंग के साथ शुरू हुआ। धर्मद, शर्मिला टैगोर और नंदमूरी बालकृष्ण को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा गया। अर्जुन कपूर और निमरत कोर ने मेजबानी की। इस उद्घाटन में दिल्ली को सिनेमाई चमक से भर



दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'सिनेमा भाषा और सीमाओं से परे लोगों को जोड़ता है। इस उत्सव के माध्यम से दिल्ली मुंबई, पुणे और गोवा के साथ कदम मिलाकर चलना चाहती है। 'कला, संस्कृति और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इसे 'ऐतिहासिक पहल' बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली अब सिर्फ प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि रचनात्मकता का केंद्र बन रही है। विविध फिल्मों और स्क्रीनिंग: 47 देशों की 140+ फिल्में- IFFD 2026 में 47 देशों की 140 से अधिक फिल्में दिखाई गईं। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्मों, एनिमेशन और हाइब्रिड फॉर्मेट शामिल थे। स्क्रीनिंग भारत मंडपम, पीवीआर-आईनिक्स थिएटर,

इमिटाशन अली, शेखर कपूर, राकेश ओमप्रकाश मेहरा, भूमि पेडनेकर जैसी हस्तियां शामिल हुईं। ये सत्र नए फिल्मकारों और युवा प्रतिभाओं के लिए ज्ञान का खजाना साबित हुए। ● क्लासिक फिल्मों: गुरु दत्त की जन्म शताब्दी पर 'प्यासा' की 4के रिस्टोर्ड वर्जन सहित कई पुरानी फिल्मों दिखाई गईं। 'शोले' की रिस्टोर्ड प्रिंट भी स्क्रीन पर लौटी। ● महिला फिल्मकारों पर फोकस: 'Her Lens' जैसी पहल से महिलाओं की फिल्मों को विशेष जगह मिली। ● सांस्कृतिक संस्था: सोनम कालरा, अशीष विद्याथी, रिंकी केज जैसी कलाकारों के कार्यक्रमों ने दर्शकों को मनोरंजन का दोहरा मजा दिया। ये आकर्षण उत्सव को सिर्फ फिल्म स्क्रीनिंग से ऊपर उठाकर एक पूर्ण सिनेमाई अनुभव बना गए। आरंभिक चुनौतियां और त्वरित सुधार उत्सव के पहले दिन कुछ कमियों-जैसे रजिस्ट्रेशन, सीटिंग और तकनीकी मुद्दों-की बात सामने आई। अगले 24 घंटों में सुधार पर काम शुरू हो गया। आलोचकों के

निशाने पर Wizarcraft की भूमिका रही और आलोचनाओं को सकारात्मक रूप से स्वीकार कर जल्दी सुधार किए गए। कई लोगों ने बताया कि दो दिनों में ही सुधार दिखने लगा। अच्छे नेतृत्व की पहचान यहीं है कि आम आदमी की आवाज सुनी जाए। दिल्ली सरकार ने इसे साबित किया। बड़े आयोजन में दो-चार कमियां स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें जल्द ठीक करने का प्रयास साराहनीय रहा। आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव: दिल्ली का नया परिचय-यह उत्सव दिल्ली फिल्म पॉलिसे का हिस्सा साबित हुआ। इससे स्थानीय व्यवसायों, होटलों, परिवहन और पर्यटन को अच्छा फायदा हुआ। फिल्मकारों, आलोचकों और दर्शकों की भारी आमद से दिल्ली एनसीआर को अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। नए फिल्मकारों और युवा प्रतिभाओं को मंच मिला, जिससे स्थानीय कला के प्रति जागरूकता बढ़ गई। दिल्ली लंबे समय से राजनीति का केंद्र रही है। अब वह कला और संस्कृति का भी केंद्र बनने की राह पर आगे बढ़ चुकी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व संतभकार हैं)

राष्ट्रीय कर्तव्य का भाव न भूलें आमजन

रा मराज्य की कल्पना हर मन को भांति है। हर व्यक्ति यह सोचता है रामराज्य हो राम के राजा होने के समय जिस प्रकार का सुख-सुविधा संपन्नता प्रयुता थी, वैसे ही व्यवस्था अभी भी होना चाहिए। इस प्रकार का राज्यतंत्र होना चाहिए पर यह कैसे होगा? संभव जब जनता भी होगी रामराज्य की तरह। जी हां, कहा गया है कि जैसे राजा-वैसी प्रजा, लेकिन लोकतंत्र में जैसी प्रजा, वैसे राजा होता है और लोग जिस रामराज्य की कल्पना कर रहे हैं, वह रामराज्य के लिए प्रजा को भी राम के आदर्श पर चलने वाली होना होगा। आज के लोकतंत्र में प्रजा ही लालच हो गई है। वह राजा से अपेक्षा करती है। खुद अपने कर्तव्यों को नहीं समझती है। अपने छोटे-मोटे लालच के कारण अच्छे व्यक्ति को नहीं चुनती है और लालच के कारण लुभावने वादों के कारण अपना मत परिवर्तन कर देती है। राज्य करने वाले नेता भी प्रजा का रूप देखकर उनका लालच देते हैं और लोकतंत्र में राजा बन जाते हैं। प्रजा लुभावने वादों के कारण अपना नुकसान

करती है, चुनाव के समय जो राजनीतिक पार्टियां लुभावने वादे करती हैं, वह वादे पूरे कहां से करेगी? यह देश की प्रजा नहीं जानती और जनता भी नहीं चाहती। अगर वह जाने तो पता चलेगा कोई राजनीति पार्टी लुभावने वादे अपने पास से पैसा लगाकर नहीं करती और लोकतंत्र में प्रजा के पैसे से प्रजा की मांग पूरी करती है और अपनी जरूरत भी इस पैसों से पूरी करती है। प्रजा के टैक्स के पैसों से राज्य चलता है। प्रजा के टैक्स के पैसों का उपयोग राजनीतिक पार्टी अपने लुभावने वादों को पूरा करने में खर्च करती है, जो पैसा राज्य के विकास में खर्च करना था। रामराज्य की कल्पना करने वाली प्रजा, जब तक अपने कर्तव्य का निर्वाह देश के प्रति समर्पण का भाव सरकारी संपत्ति को अपनी संपत्ति मानना, राज्य के प्रति अनुशासन का पालन व देश के लिए त्याग का भाव तथा राज्य के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह नहीं करती, तब तक रामराज्य की सुखद अनुभव करना कोरी कल्पना होगी।

- अतुल उपाध्याय

चलती बस में हैवानियत: छात्र को सीट से घसीटकर पीटा, गला दबाकर जान लेने की कोशिश

दैनिक बुलंद मंजिल
डिडौली। यूनिवर्सिटी की बस में दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां चलती बस में एक छात्र के साथ मारपीट कर उसकी जान लेने की कोशिश की गई। घटना 23 अप्रैल की बताई जा रही है। ग्राम मोहम्मदाबाद निवासी सुहेल पुत्र अब्दुल्ला अपने कॉलेज से बस में सवार होकर घर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही बस डिडौली थाना क्षेत्र के गांव चौधपुर के पास पहुंची, तभी चार युवकों ने अचानक छात्र के साथ अभद्रता शुरू कर दी। आरोप है कि चारों आरोपियों ने दबंगई दिखाते हुए छात्र को जबरन सीट से उठाने की कोशिश की। पीड़ित छात्र ने जब इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उस पर हमला बोल दिया। चलती बस में ही छात्र के साथ

जमकर मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। घटना के दौरान बस में मौजूद अन्य छात्र-छात्राओं में अफरा-तफरी मच गई। सहपाठियों ने किसी तरह बीच-बचाव कर छात्र को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया, जिससे उसकी जान बच सकी। पीड़ित के अनुसार, पूरी घटना का वीडियो भी मौजूद है, जिसमें आरोपियों की करतूत साफ नजर आ रही है। घटना के बाद छात्र ने डिडौली कोतवाली पहुंचकर चारों आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। सवाल उठ रहे हैं कि सार्वजनिक परिवहन में इस तरह की गुंडागर्दी पर आखिर कब लगाम लगेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

594 किमी की रफ्तार का शुभारंभ, मंगरोला बनेगा विकास का बड़ा मंच

दैनिक बुलंद मंजिल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। देश के महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट्स में शामिल 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का आज हरदोई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भव्य उद्घाटन किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अमरोहा जनपद में भी व्यापक तैयारियां की गई हैं। हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव मंगरोला में उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण बड़ी-बड़ी एलसीडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा, जिससे ग्रामीण भी इस गौरवपूर्ण पल के साक्षी बन सकें। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मंगरोला में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में



प्रभारी मंत्री केपी मलिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, अमरोहा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कंवर सिंह तंवर, भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, एमएलसी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों, विधायक धनोरा राजीव तरारा, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड्गवंशी, एमएलसी जयपाल सिंह



व्यस्त और एमएलसी सतपाल सैनी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। जिला प्रशासन की ओर से भी कार्यक्रम को लेकर पूरी मुस्तैदी बरती जा रही है। जिलाधिकारी नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव स्वयं व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात, पेयजल, बैठने की

व्यवस्था और बिजली आपूर्ति समेत सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी हिस्सों से जोड़ते हुए औद्योगिक, व्यापारिक और पर्यटन गतिविधियों को नई गति देगा। इसके

निर्माण से यात्रा समय में भारी कमी आएगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। ग्रामीणों में भी इस आयोजन को लेकर काफी उत्साह है। बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर प्रधानमंत्री के संबोधन और उद्घाटन समारोह को लाइव देखने के लिए उत्सुक हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि यह आयोजन न केवल विकास की नई कहानी लिखेगा, बल्कि लोगों में बुनियादी ढांचे के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा। कुल मिलाकर, गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन अमरोहा सहित पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गर्व का क्षण बनने जा रहा है, जिसे यादगार बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से इरकान अली की मुलाकात, संगठन को मजबूत करने पर हुई चर्चा

दैनिक बुलंद मंजिल
नई दिल्ली/अमरोहा। राष्ट्रीय लोकदल के युवा जिलाध्यक्ष अमरोहा इरकान अली ने मंगलवार को भारत सरकार के केंद्रीय एवं रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से उनके दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मंत्री से आशीर्वाद एवं संगठनात्मक मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुलाकात के दौरान इरकान अली ने जनपद अमरोहा में संगठन की गतिविधियों, युवा कार्यकर्ताओं की भागीदारी और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पार्टी के



प्रति युवाओं में लगातार उत्साह बढ़ रहा है और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने भी युवा कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि संगठन की मजबूती युवाओं



की सक्रियता और प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। उन्होंने इरकान अली को जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने, आम लोगों से जुड़ाव बनाए रखने और पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इरकान अली ने कहा कि

ह्वाअपका स्नेह, विश्वास और मार्गदर्शन हम जैसे कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आपके नेतृत्व में संगठन निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में अमरोहा में रालोद और अधिक सशक्त होकर उभरेगा। इस अवसर पर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है और इसे संगठन के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

गन्ने की पत्तियां साफ करते किसान को सांप ने डसा, हालत गंभीर

दैनिक बुलंद मंजिल

सैद नगली। थाना क्षेत्र के गांव इशापुर शर्की में मंगलवार दोपहर एक किसान के लिए खेत ही खतरे का मैदान बन गया। गन्ने के खेत में काम कर रहे किसान को अचानक जहरीले सांप ने डसा लिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। गंभीर हालत में किसान को हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी किसान रामपाल रोज की तरह मंगलवार दोपहर अपने खेत में गन्ने का कूड़ा यानी सूखी पत्तियां साफ कर रहे थे। काम के दौरान अचानक उन्हें



पैर में तेज चुभन का अहसास हुआ। पहले तो उन्होंने इसे मामूली समझा, लेकिन जब मुड़कर देखा तो पास ही एक बड़ा जहरीला सांप फन उठाए मौजूद था। यह दृश्य देखते ही

रामपाल के होश उड़ गए। सर्पदंश का एहसास होते ही रामपाल ने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत अपने परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग घबराए हुए खेत की ओर दौड़े और बिना देर किए उन्हें उठाकर नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। सीएचसी में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन जहर का असर तेजी से

फैलता देख उनकी हालत गंभीर बताई गई। चिकित्सकों ने स्थिति को नाजुक मानते हुए उन्हें तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों खेतों में सांपों की मौजूदगी बढ़ गई है, जिससे किसानों के लिए खतरा भी बढ़ गया है। लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में जागरूकता और बचाव के उपाय कराने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

ऑफिसर कॉलोनी में चोरों का तांडव – एक ही रात में दो घरों का सफाया, लाखों के जेवर-नकदी चोरी

दैनिक बुलंद मंजिल
गजरौला। नगर में स्थित जुबिलेंट कंपनी की ऑफिसर कॉलोनी में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात चोरों ने एक नहीं बल्कि दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद कॉलोनी में दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कंपनी में मैनेजर क्वालिटी के पद पर कार्यरत एक अधिकारी अपने परिवार के साथ 24 अप्रैल को इटावा जिले के बसोहन बस्ती गए हुए थे। 27 अप्रैल को जब वह वापस लौटे तो उनके



मकान का ताला टूटा मिला। घर के अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। चोर सोने के चार चूड़ी, दो कंगन, दो गले के सेट, एक चैन, डायमंड रिंग, लेडीज व जेंट्स रिंग, मंगलसूत्र समेत कई कीमती आभूषण और चांदी के बर्तन व सिक्के चोरी कर ले गए। यही नहीं, पड़ोस में रहने वाले योगेश यादव के मकान को भी चोरों ने नहीं

छोड़ा। उनके घर से दो अंगूठी और करीब 11 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का रिण, लेडीज व जेंट्स रिंग, मंगलसूत्र समेत कई कीमती आभूषण और चांदी के बर्तन व सिक्के चोरी कर ले गए। यही नहीं, पड़ोस में रहने वाले योगेश यादव के मकान को भी चोरों ने नहीं छोड़ा। उनके घर से दो अंगूठी और करीब 11 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का रिण, लेडीज व जेंट्स रिंग, मंगलसूत्र समेत कई कीमती आभूषण और चांदी के बर्तन व सिक्के चोरी कर ले गए। यही नहीं, पड़ोस में रहने वाले योगेश यादव के मकान को भी चोरों ने नहीं छोड़ा। उनके घर से दो अंगूठी और करीब 11 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का रिण, लेडीज व जेंट्स रिंग, मंगलसूत्र समेत कई कीमती आभूषण और चांदी के बर्तन व सिक्के चोरी कर ले गए। यही नहीं, पड़ोस में रहने वाले योगेश यादव के मकान को भी चोरों ने नहीं

छोड़ा। उनके घर से दो अंगूठी और करीब 11 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का रिण, लेडीज व जेंट्स रिंग, मंगलसूत्र समेत कई कीमती आभूषण और चांदी के बर्तन व सिक्के चोरी कर ले गए। यही नहीं, पड़ोस में रहने वाले योगेश यादव के मकान को भी चोरों ने नहीं छोड़ा। उनके घर से दो अंगूठी और करीब 11 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का रिण, लेडीज व जेंट्स रिंग, मंगलसूत्र समेत कई कीमती आभूषण और चांदी के बर्तन व सिक्के चोरी कर ले गए। यही नहीं, पड़ोस में रहने वाले योगेश यादव के मकान को भी चोरों ने नहीं

शादी समारोह से नाबालिग गायब, फोन कॉल्स के बाद अपहरण का आरोप

रात में 90 से ज्यादा कॉल्स के बाद बाइक से ले जाने का आरोप, परिजनों में दहशत

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान नाबालिग लड़की के संदिग्ध तरीके से गायब होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने दो युवकों पर बहला-फुसलाकर अपहरण करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद से परिवार में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक गांव निवासी विधवा महिला अपनी दो बेटियों के साथ रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान रात करीब 1 बजे एक आरोपी युवक ने पीड़िता के रिश्तेदार के मोबाइल



नंबर पर बार-बार कॉल किए। बताया जा रहा है कि एक ही नंबर से करीब 90 से अधिक कॉल किए गए, जिससे शक महसूस हुई। परिजनों के अनुसार, रात करीब 2 बजे नाबालिग लड़की अचानक लापता हो गई।

आरोप है कि दोनों आरोपी उसे बहला-फुसलाकर मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने साथ ले गए। जब परिजनों ने आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की, तो कथित तौर पर उन्होंने लड़की को अपने पास होने

की बात कहते हुए धमकी भरे अंदाज में जवाब दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया और उन्होंने तुरंत पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। पीड़ित पक्ष को आशंका है कि उनकी बेटी के साथ कोई अनहोनी या गलत कार्य किया जा सकता है। इस मामले में पुलिस से आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जल्द से जल्द लड़की की बरामदगी की मांग की गई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की हुंकार: गंगेश्वरी से उठी चेतावनी, 17 मई को धरना तय

दैनिक बुलंद मंजिल
रहरा। विकासखंड गंगेश्वरी परिसर मंगलवार को किसानों की हुंकार से गूंज उठा, जब भारतीय किसान यूनियन (शंकर) की मासिक पंचायत में क्षेत्र की जमीनी समस्याओं पर तीखी चर्चा हुई। पंचायत की अध्यक्षता धर्मपाल सिंह नेताजी ने की, जबकि संचालन कमल ठाकुर ने किया। बड़ी संख्या में जुटे किसानों ने प्रशासन को सीधे चेतावनी देते हुए आठ प्रमुख मांगों सामने रखीं। पंचायत में ग्राम पंचायत द्वारा का मुद्दा सबसे पहले उठा, जहां



पंचायत निधि से कराए गए हैंडपंप रिबोर के पाइप को कथित दबंग द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला गरमाया रहा। किसानों ने दोषी से वसूली कर सरकारी खाते में जमा कराने की मांग की। वहीं



सिरसा एतामाली से सिलारा तक हरि बाबा बांध के कच्चे रास्ते को पक्का कराने की मांग प्रमुख रही, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में सहूलियत मिल सके। किसानों ने विकासखंड में स्थाई

खंड विकास अधिकारी की तैनाती, ग्राम पोराया मुस्तकाम में जलभराव और खराब हैंडपंप की समस्या के तत्काल समाधान की भी मांग उठाई। आवारा पशुओं से बर्बाद होती फसलों पर नाराजगी

जताते हुए किसानों ने कहा कि करोड़ों की गोशालाएं केवल दिखावा बनकर रह गई हैं। इसके अलावा ग्राम भावली में जले ट्रांसफार्मर को बदलने और सिरसा कला बांध मार्ग के निर्माण की मांग भी प्रमुख रही। अंत में किसानों ने साफ कहा कि यदि 16 मई 2026 तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 17 मई को आंदोलन शिव मंदिर परिसर में बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। पंचायत में डॉ. योगेंद्र कुमार, शोशपाल सिंह व अन्य किसान नेता मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में मेधावियों पर इनामों का मेगा पैकेज: ई-स्कूटी से नवाजे गए यूपी बोर्ड टॉपर्स, इन्वर्टिस में फ्री होगा एडमिशन



दैनिक बुलंद मंजिल
बरेली। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में जिले का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्रों के लिए मंगलवार का दिन यादगार बन गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सम्मान समारोह जश्न में तब्दील हो गया, जब मंच से टॉपर्स पर इनामों की बरसात हुई। जिला प्रशासन ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के टॉप-10 छात्रों को इलेक्ट्रिक स्कूटी देकर न सिर्फ चौकाया, बल्कि उनके उज्वल भविष्य की नई राह भी खोल दी। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने जैसे ही याकूबा स्पेरो ई-स्कूटी की चाबियां मेधावियों को सौंपीं, पूरा हॉल तालियों की गूंज से भर उठा। हाईस्कूल के वैष्णवी, गुलशन यादव, जयनी सिंह, शिवानी और रश्मि, जबकि इंटरमीडिएट के चमन जहां, नदिनी गुप्ता, सुरभि यादव,

सिमरन मौर्य और खुशी मौर्य को इस सम्मान से नवाजा गया। छात्रों के चेहरों पर आत्मविश्वास और खुशी साफ दिखाई दी। महापौर का बड़ा ऐलान: टॉपर्स की पढ़ाई होगी मुफ्त कार्यक्रम में उस वक्त उत्साह चरम पर पहुंच गया, जब महापौर डॉ. उमेश गौतम ने ऐलान किया कि सभी टॉपर्स को इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। इस घोषणा ने मेधावियों और उनके परिजनों के लिए सपनों को नई उड़ान दे दी। समारोह में वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक राघवेंद्र शर्मा, विधायक एमपी आर्य और एमएलसी बहोरन लाल मौर्य समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने मेधावियों की सफलता को सलाम करते हुए उन्हें आगे और बेहतर करने की

प्रेरणा दी। बेटियां आगे बढ़ रहीं, यही असली बदलाव जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि यह सम्मान छात्रों की मेहनत का परिणाम है और इससे उन्हें नई ऊर्जा मिलेगी। मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने खासतौर पर बेटियों के शानदार प्रदर्शन को सराहा। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार ने इसे जिले की बड़ी उपलब्धि बताया। सम्मान समारोह में मेधावियों के चेहरे खिल उठे, वहीं अभिभावकों की आंखों में खुशी के आंसू नजर आए। शिक्षकों ने भी अपने छात्रों की सफलता पर गर्व जताया। प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह के साथ हुए इस सम्मान ने साफ संदेश दिया—अब बरेली में मेहनत करने वालों को सिर्फ पहचान ही नहीं, बल्कि बड़ा इनाम भी मिलेगा।

पोक्सो का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे, तेज कार्रवाई से मचा हड़कंप

दैनिक बुलंद मंजिल
रजबपुर। थाना क्षेत्र में पुलिस ने पोक्सो एक्ट से जुड़े एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर और प्रभारी निरीक्षक रजबपुर के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता हासिल की गई।



पुलिस के अनुसार, थाना रजबपुर में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 69/26, धारा 1137(2)/64(1) बीएनएस व ष पोक्सो एक्ट से संबंधित मामले में आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने ग्राम महेश्वरा निवासी 22 वर्षीय गजेन्द्र उर्फ गौरव पुत्र प्रभुनाथ को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए न्यायालय

अमरोहा के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही। थाना रजबपुर पुलिस को इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आम जनता में विश्वास और मजबूत हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

नाइट क्रिकेट मैच में आईएमए फिरोजाबाद ने आगरा को हराया
फिरोजाबाद। आईएमए फिरोजाबाद, आईएमए आगरा के बीच नाइट क्रिकेट मैच खेला गया। जिसमें आईएमए फिरोजाबाद की टीम ने तीन विकेट से जीत हासिल कर विजेता ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। ग्रीन पील्ड क्रिकेट ग्राउंड उसायनी पर 20-20 नाइट क्रिकेट आईएमए आगरा, फिरोजाबाद की टीम के मध्य खेला गया। मैच का शुभारम्भ डॉ विनोद अग्रवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। दोनों ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। जिसमें फिरोजाबाद आईएमए की टीम ने आगरा टीम को हराकर ट्राफी पर कब्जा कर लिया। इस दौरान डॉ एसपीएस चौहान, डॉ गौरव अग्रवाल, डॉ जलज गुप्ता, डॉ शिखा जैन, डॉ परमिताल, डॉ अनुराग, डॉ पूनम अग्रवाल के अलावा निरांत खरे, असलम भोला आदि मौजूद रहे।

दिनदहाड़े व्यापारी के कर्मचारी से तमचे के बल पर दस लाख की लूट

लुटेरों के गिरोह में लड़की भी है शामिल, डीआईजी ने मौके का किया निरीक्षण

फिरोजाबाद।

सिरसागंज थाना क्षेत्र में सोमवार को बेखौफ बदमाशों ने लूट की एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। अध्यापक नगर चौड़ी सड़क के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक बीज व्यापारी के कर्मचारी को घेर लिया और तमचे के बल पर 10 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। चौकाने वाली बात यह है कि इस लुटेरे गिरोह में एक युवती भी शामिल बताई जा रही है। डीआईजी शैलेश पांडे ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

थाना सिरसागंज के सराय शेख निवासी बंटी कुमार पुत्र ऐदल सिंह इटावा रोड स्थित एक बीज भंडार गणेश ट्रेडर्स में कर्मचारी है।



घटना स्थल का निरीक्षण करते डीआईजी शैलेश पांडे, साथ में एसपी ग्रामीण।

सोमवार सुबह करीब 10.45 बजे बंटी दुकान से 10 लाख रुपये नकद लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा में जमा करने जा रहा था। जैसे ही वह अध्यापक नगर, चौड़ी सड़क के पास पहुँचा, तभी पीछे-पीछे आए बाइक सवार बदमाशों ने उसकी बाइक को टकराकर मारकर गिरा दिया।

रोजाना की तरह कैश जमा करने बैंक जा रहा था। बदमाशों ने उसे घेरकर लूट लिया। दिनदहाड़े हुई इस घटना से हम सभी व्यापारी डरे हुए हैं। प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। घटना की सूचना मिलते ही डीआईजी शैलेश पांडे, एसपी ग्रामीण अनुज चौधरी, थाना प्रभारी वैभव कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। फ्लिहाल पुलिस आसपास के घरों और दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, जिसमें सदिग्ध बाइक सवार कैद हुए हैं। सीओ अनिवेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए तीन टीमों को लगाया गया है और हर एंगल पर काम किया जा रहा है।

हिंदू रक्षादल ने गौमाता के सम्मान में निकाली यात्रा



तहसीलदार को ज्ञापन देते हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारी।

फिरोजाबाद।

हिंदू रक्षा दल के नेतृत्व में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत एक विशाल यात्रा निकाली गई। जिसमें गौरक्षकों ने गौ माता के सम्मान में अपना समर्थन व्यक्त किया। साथ ही राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है। हिंदू रक्षा दल के जिलाध्यक्ष अभिषेक राठौर नेतृत्व गौ सेवकों ने राधाकृष्ण मंदिर से गौमाता के समर्थन में एक विशाल यात्रा निकाली। यात्रा घंटाघर, सदर बाजार, गंज चौराहा, सिनेमा चौराहा, गांधी पार्क चौराहा, सुभाष तिराहा, सुहाग नगर तहसील सदर पहुंचकर समाप्त हुई। गौ सेवकों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है। जिसमें गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में गौ रक्षक दल के जिलाध्यक्ष उपेंद्र बंसल, जिला प्रभारी प्रशांत गाँड, हिंदू रक्षा दल के जिला उपाध्यक्ष एश कुशवाहा, राजा, लकी गुर्जर, ऋषभ गुप्ता, सत्यम कुलश्रेष्ठ, शशांक गुप्ता, करन राठौर आदि मौजूद रहे।

गौमाता को राष्ट्रमाता बनाने की मुहिम तेज हिन्दू संगठनों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

फिरोजाबाद।

सोमवार को गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत विभिन्न हिंदू संगठनों ने तहसील प्रांगण में एकत्र होकर गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नरिबाजी करते हुए तहसीलदार टूटला को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में एक देश एक कानून एक संविधान न्यायिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबा चंद्रम दास महाराज (सहसा आश्रम, विजयगढ़ी) ने अपने समर्थकों व गौसेवकों के साथ अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाना चाहिए और देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इस दौरान धर्मदास महाराज, रामदास महाराज, बाबा हरिओम दास महाराज, बाबा मंगल दास, बेनामी बाबा, राम अवतार, दिग्विजय



ज्ञापन सौंपते हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता।

सिंह, अवधेश फैजि, गौरव सिसोदिया, सुरजीत सिसोदिया आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में अंतर्राष्ट्रीय गौ माता सेवा महासंघ के पदाधिकारियों ने भी तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए केंद्र व राज्य सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि देश में गौहत्या पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाए तथा जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को गौवंश के उपचार एवं अंत्येष्टि की जिम्मेदारी दी जाए। साथ ही देवी देवताओं के अपमान एवं मूर्ति खंडन पर कठोर कार्रवाई की मांग

मेधावियों का सम्मान, टॉपर छात्रा को भेंट की साइकिल



मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित छात्राएं।

टूटला

थाना पचोखरा क्षेत्र के ग्राम गढ़ी निर्भय स्थित वीरवती फैशन इंटर कॉलेज व इंटरमीडिएट में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रबंधक ईजीनियर सुनील कुमार द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में थाना अध्यक्ष अमित कुमार तोमर उपस्थित रहे। इस दौरान हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को साइकिल देकर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य टॉपर विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को मेहनत व लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ अभिभावक व ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

शोपीस बने नगर पालिका के वाटर कूलर, भीषण गर्मी में जनता परेशान

टूटला

नगर पालिका परिषद द्वारा आम जनता की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर लगाए गए वाटर कूलर इन दिनों शोपीस बनकर रह गए हैं। नगर के अधिकांश प्रमुख स्थानों पर लगे कूलर खराब पड़े हैं और एक भी सही तरीके से कार्य नहीं कर रहा। मुख्य रूप से नगर के सुभाष चौराहे पर लगभग बीते दो वर्षों से एक भी वाटर कूलर नहीं लगा है। भीषण गर्मी में शीतल पेयजल की व्यवस्था न होने से राहगीरों, मजदूरों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए इन कूलरों के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा



शोपीस बना वाटर कूलर।

रहा, जिससे वे बेकार पड़े हैं। जनता ने पालिका प्रशासन से जल्द कूलरों को चालू कराने और नियमित देखरेख की व्यवस्था करने की मांग की है। चेतवनी दी गई है कि समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौजूद रहे।

भाकियू नेताओं ने उप जिलाधिकारी को सौंपा राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन

शिकोहाबाद।

भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति, भारत सरकार और प्रधानमंत्री को संबोधित एक नौ सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी के पेशकार को सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने और किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। चेतवनी दी और उनकी मांगों को नहीं माना गया तो किसान नेता आंदोलन केलिए बाध्य होंगे। किसान नेताओं ने कहा कि देश के करोड़ों नागरिकों की उस गरीबी आस्था और भावना को आप तक पहुंचाना चाहते हैं। जो गाय को केवल एक पशु नहीं, बल्कि

साक्षात् माता के रूप में देखते हैं। भारत की आत्मा गांवों में बसती है और उन गांवों का आधार हमारी गौ माता है। उन्होंने कहा कि निरन्तरियों के आधार पर गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गाय सनातन धर्म में पूजनीय है। संपूर्ण विश्व में केवल भारत ही ऐसा देश है जहां गाय को माता का दर्जा प्राप्त है। यह हमारी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है। अहिंसा और करुणा का प्रतीक। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा था कि गौ रक्षा का प्रश्न स्वराज से कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें राष्ट्र माता का दर्जा देना अहिंसा के प्रति भारत की पकूचका को दर्शाता है।

बीडीएम में मेधावी छात्राओं को किया गया सम्मानित

शिकोहाबाद। बीडीएम गर्ल्स इंटर कॉलेज में सोमवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यालय की छात्र-छात्राओं जिन्होंने बोर्ड के नतीजों में 10 वीं और 12 वीं स्कूल टॉप किया और अच्छे अंक लेकर अपना और अपने परिवार का नाम रोशन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इस दौरान विद्यालय में शासनादेश लागू कर फीस कटौती का भी निर्णय लिया। बीडीएम गर्ल्स इंटर कॉलेज में 10 वीं एवं 12 वीं यूपी बोर्ड परीक्षा में टॉपर छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्या नीरा माथुर द्वारा विद्यालय में सभी सफल छात्रों के सम्मान हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया।

विद्युत आपूर्ति में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

मैनपुरी

मुख्य अभियंता फिरोजाबाद जेन भरत सिंह ने जनपद भ्रमण के दौरान अधिशासी अभियंता खंड तृतीय कार्यालय में विद्युत आपूर्ति एवं व्यवस्था पर समीक्षा कर जरूरी दिशा निर्देश देते हुये कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी प्रथम प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की हीला-हवाली नहीं चलेगी। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुये कहा कि विद्युत आपूर्ति में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जायेगी और लापरवाह कर्मियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। विद्युत आपूर्ति संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर टीम तत्काल सक्रिय होकर उसका समाधान सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया,

मुख्य अभियंता ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए निर्देश 1912 एवं विद्युत उपकेन्द्र के सीयूजी के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों को रजिस्टर में अंकित किया जाये।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपना सीयूजी नंबर हमेशा चालू रखे और कॉल रिसीव करें। उपभोक्ता देवो भवकर के तहत सभी को कार्य करना है और उपभोक्ताओं से मूदूल व्यवहार करें। प्रत्येक शटडाउन, ब्रेकडाउन और रोस्टिंग की सूचना व्हाट्सएप ग्रुपों में शेर की जाये। बिजली चरों के सीयूजी नंबर हमेशा चालू रहें। इस दौरान एक्सईएन हंसराज कौशल, अनिल वर्मा आदि मौजूद रहे।

वीएचपी महानगर अध्यक्ष से मारपीट के तीन आरोपी गिरफ्तार

टूटला। वीएचपी के महानगर अध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा से मारपीट के मामले में पुलिस ने सोमवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घटना रविवार दोपहर की है, जब राजीव शर्मा अपनी पत्नी अनुराधा तिवारी के साथ कार से आगरा जा रहे थे। टूटला टोल टैक्स पर टोल कर्मियों से कहलसुनी के बाद विवाद बढ़ गया और मारपीट का आरोप लगा।

पीड़ित पक्ष की ओर से थाना टूटला में तहरीर दी गई थी। दर रात तक कार्रवाई न होने पर वीएचपी व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया और वे थाने पहुंच गए। सीओ टूटला अरुण चौधरी के आग्रह से बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एकड़ गए आरोपियों में सुमित पुर सोपल निवासी नाला खार थाना टूटला, सुभाष पुत्र करनपाल निवासी नाला कलुआ थाना पचोखरा, हेरन्द पुत्र राजेन्द्र निवासी जाजपुर थाना टूटला है। पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

भाजपा के केशव देव कुशवाहा निर्विरोध उपसभापति घोषित

फिरोजाबाद।

नगर निगम की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब भाजपा के वरिष्ठ पार्षद केशव देव कुशवाहा निर्विरोध उपसभापति निर्वाचित घोषित कर दिए गए। महापौर ने केशव देव कुशवाहा को उपसभापति का प्रमाण पत्र देकर औपचारिक घोषणा की।

नगर निगम प्रशासन द्वारा सोमवार को पालीवाल हॉल में उपसभापति पद के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू कराई गई थी और मतदान की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। इसी बीच चुनावी मुकाबले ने अचानक नया मोड़ ले लिया। भाजपा से ही उपसभापति पद के दूसरे दावेदार पार्षद आशीष दिवाकर ने अंतिम समय में अपना नामांकन वापस ले लिया, जिसके बाद मैदान में केवल केशव देव कुशवाहा ही शेष रह गए। नामांकन वापसी के साथ ही निर्वाचन अधिकारी ने केशव देव कुशवाहा को निर्विरोध उपसभापति निर्वाचित घोषित कर दिया। घोषणा होते ही भाजपा खेमे में



उपसभापति की जीत के बाद खुशी मनाते भाजपा पार्षद, साथ में महापौर कामिनी राठौर।

खुशी की लहर दौड़ गई और समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। नगर निगम में भाजपा के इस निर्विरोध चुनाव को संगठन की बड़ी रणनीतिक जीत माना जा रहा है। लंबे समय से नगर निगम की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रहे वरिष्ठ पार्षद केशव देव कुशवाहा को उपसभापति बनाए जाने से भाजपा ने अपने संगठनात्मक संतुलन को और मजबूत करने का संदेश दिया है। इस पूरे चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने गंभीर स्वावल खड़े किए हैं। सपा पार्षद मनोज शंखवार ने आरोप लगाया कि सत्ता के दबाव में उनका

गौसेवकों ने निकाली यात्रा एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

एक।

समस्त राष्ट्र में गौ माता के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन के पवन संकल्प के साथ गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत गौ सेवकों ने जागरूकता यात्रा निकाली। गौ सेवकों ने अपनी मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी जसराना को ज्ञापन सौंपा।

गौ सम्मान आह्वान यात्रा एका नगर के मुख्य बाजार स्थित गांधी मूर्ति से प्रारंभ होकर जसराना तहसील परिसर पहुंची। महाहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में निराश्रित गौवंश के उचित संरक्षण, चारे की व्यवस्था और गौशालाओं की स्थिति में सुधार लाने की



गौ संरक्षण की मांग को लेकर गौसम्मान आह्वान यात्रा निकरते गौ सेवक।

मांग की गई है। बल्कि समाज में गौ माता के प्रति संवेदान और संस्कारों की भावना को मजबूत करने का एक प्रयास भी है। जनपद फिरोजाबाद में इस अभियान को सभी गौ सेवकों के अथक परिश्रम और समर्पण से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों ने भी इस पुनीत कार्य में अपना

पोर्टल पर अपलोड कराएं स्कूल बस चालकों का डेटा

परिवहन निगम के आरआई ने की स्कूल वाहनों की चेकिंग

मैनपुरी

परिवहन विभाग द्वारा स्कूली बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। विभाग के आरआई देवाशु गंगवार लगातार स्कूल वाहनों की चेकिंग कर नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर कार्रवाई कर रहे हैं। सोमवार को आरआई ने कई स्कूल वाहनों की चेकिंग की और स्कूल संचालकों को चालकों का डेटा पोर्टल पर अपलोड कराने के निर्देश दिये हैं। आरआई ने बताया कि जिले में किसी भी स्कूल वाहन को बिना



स्कूल वाहन की चेकिंग करते आरआई देवाशु गंगवार।

संचालन कराये। उन्होंने कई स्थानों पर स्कूल वाहनों की चेकिंग कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्कूल वाहन चालकों का फोटो, ड्राइविंग लाइसेंस नंबर, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड आदि दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए स्कूल संचालक पूरी तरह फिट वाहनों का ही

गौशाला में साफ-सफाई के रहें बेहतर प्रबंध

जिलाधिकारी ने किया कान्हा गौआश्रय स्थल का निरीक्षण

मैनपुरी

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने ट्रांसपोर्ट नगर में नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित बृहद कान्हा गौ-आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण करते हुये अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका को आदेशित करते हुये कहा कि गौशाला में साफ-सफाई के बेहतर प्रबंध रहें। सरक्षित गौवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसे, हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्साधिकारी नियमित रूप से गौ आश्रय स्थल का भ्रमण कर संरक्षित गौवंशों के स्वास्थ्य की देख-भाल करें। गर्मी के मौसम में गौवंश धूप में न रहें,



गौआश्रय स्थल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी।

उन्हें समय से टिनशेड में रखने हेतु कर्मियों को हिदायत दी जाये, गोवंशों को समय से दाना, चारा खिलाया जाये, पीने के पानी की उचित व्यवस्था रहे, गोबर का नियमित निदान हो। उन्होंने कहा कि दिन के अत्यधिक गर्म समय में पशुओं को बाहर निकालने के बजाय छायादार, सुरक्षित स्थान पर रखा जाए जबकि शाम, रात्रि के समय उन्हें खुले

स्थान पर छोड़ा जाये, इससे गोवशों को गर्मी से राहत मिलेगी और उनका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा, गोवशों के भोजन की गुणवत्ता, समयबद्धता पर ध्यान दिया जाये। निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बुद्धि प्रकाश, पशु चिकित्साधिकारी पवन कुमार, अनिल सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

समाथल रोड पर एमडीए की कार्रवाई पर सवाल, एक बिल्डिंग सील—बाकी को मिली वैधता

पाकबड़ा में बिजली संकट पर सपा का प्रदर्शन, जल्द समाधान न हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

बुलन्द मंजिल ब्यूरो
मुरादाबाद। समाथल रोड क्षेत्र में अवैध निर्माण को लेकर मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) की कार्रवाई अब सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि प्राधिकरण ने एक निर्माणाधीन बिल्डिंग को सील तो किया, लेकिन आसपास की अन्य अवैध इमारतों को वैधता का प्रमाणपत्र देकर छोड़ दिया गया। इससे क्षेत्र में नाराजगी का माहौल बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक, एमडीए ने हाल ही में समाथल रोड स्थित एक बिल्डिंग पर सीलिंग की कार्रवाई की थी। बताया जा रहा है कि यह निर्माण एक जनप्रतिनिधि से जुड़े व्यक्ति का है। हालांकि, आरोप है कि सीलिंग की कार्रवाई ज्यादा देर तक प्रभावी नहीं रही और उसी दिन शाम को बिल्डिंग की सील तोड़ दी गई। इस घटनाक्रम ने एमडीए की



कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं स्थानीय निवासी उस्मान का कहना है कि इलाके में अवैध निर्माण तेजी से बढ़ रहा है। प्रशासन बीच-बीच में कार्रवाई करता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर उसी स्थान पर निर्माण शुरू हो जाता है, जिससे कार्रवाई केवल औपचारिक लगती है वहीं, निवासी नदीम का मानना है कि प्राधिकरण को निर्माण शुरू होने से पहले ही सख्ती बरतनी चाहिए। उनका कहना है कि जब भवन पूरी तरह बन जाता है, तब की गई कार्रवाई से आम लोगों को



पेशानी होती है और समस्या का समाधान नहीं हो पाता सनीब नामक एक अन्य निवासी ने आरोप लगाया कि कार्रवाई चयनित लोगों के खिलाफ ही की जा रही है। उनका कहना है कि यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो सभी के खिलाफ समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए राजेंद्र गुप्ता ने भी पूरे क्षेत्र में फैले अवैध निर्माण की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि समाथल रोड पर बड़े पैमाने पर अवैध फ्लैटिंग और बिल्डिंग निर्माण हो रहा है, लेकिन कार्रवाई केवल एक

बुलन्द मंजिल ब्यूरो
पाकबड़ा (मुरादाबाद)। नगर पंचायत पाकबड़ा में लगातार बिगड़ रही बिजली व्यवस्था को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र में हो रही अघोषित कटौती, जर्जर तारों और ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया समाजवादी पार्टी के चेयरमैन प्रत्याशी हाजी नईम के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में नगराध्यक्ष मोहम्मद तकी, युवा छत्र नेता अजीम चौधरी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से आम जनता का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है नेताओं ने आरोप लगाया कि पहले लगी उच्च क्षमता वाली बिजली लाइनें हटाकर कम क्षमता की तारें लगा दी गई हैं, जिससे ओवरलोड की समस्या बढ़ गई है और



आए दिन फॉल्ट हो रहे हैं। इसके चलते लोगों को घंटों बिजली के बिना रहना पड़ रहा है इस मौके पर हाजी नईम ने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर वह पूरी मजबूती से आवाज उठाते रहेंगे और किसी भी हाल में लोगों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी बड़ा जनआंदोलन करने को मजबूर होगी नगराध्यक्ष मोहम्मद तकी ने कहा कि वह लगातार क्षेत्र की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा रहे हैं और जल्द

10वीं में जिला टॉप कर सोफिया मसूदी ने बढ़ाया बिरादरी का मान, बधाई देने पहुंचे नगर अध्यक्ष

संभव कार्यक्रम में 26 शिकायतों का समाधान, जन-सुनवाई में उपभोक्ताओं को मिली राहत

बुलन्द मंजिल ब्यूरो
मुरादाबाद। जनपद अमरोहा की होनहार छात्रा सोफिया मसूदी (पुत्री इरफान अहमद) ने हाईस्कूल (10वीं) परीक्षा में जिला टॉप कर एक नई मिसाल कायम की है। इस शानदार उपलब्धि से जहां उनके परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं शेख मसूदी बिरादरी में भी गर्व की लहर दौड़ गई है महज 16 वर्ष की उम्र में सोफिया ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। वह जीपीएस एकेडमी की मेधावी छात्रा हैं और शुरू से ही पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रही हैं। उनकी इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि निरंतर प्रयास और मजबूत इरादों से



हो लक्ष्य पाया जा सकता है सोफिया की इस सफलता के पीछे उनके पिता इरफान अहमद का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने हमेशा अपनी बेटी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उसे बेहतर शैक्षिक माहौल प्रदान किया। एक जिम्मेदार अभिभावक के रूप में उनकी सराहना क्षेत्रभर में हो रही है जैसे ही इस उपलब्धि की जानकारी नगर अध्यक्ष

सोफिया को शुभकामनाएं दीं इस दौरान पत्रकार अर्मान मसूदी ने भी मौके पर पहुंचकर सोफिया को बधाई दी और उसके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सोफिया की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है नगर अध्यक्ष मोहम्मद तकी मसूदी ने कहा कि सोफिया जैसी बेटियां समाज की असली पहचान होती हैं और उनकी उपलब्धियां पूरे समाज को गौरवान्वित करती हैं स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने भी सोफिया को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह आगे भी इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगी और अपने परिवार व जिले का नाम रोशन करती रहेंगी।

बुलन्द मंजिल ब्यूरो
मुरादाबाद/मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डिस्कॉम) द्वारा हंसभवन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जन-सुनवाई में उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान किया गया। ऊर्जा भवन मेरठ के सभागार में आयोजित इस जन-सुनवाई की अध्यक्षता प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता (आईएएस) ने की जन-सुनवाई में मेरठ, बागपत, बुलंदशहर और मुजफ्फरनगर समेत विभिन्न जनपदों से आए उपभोक्ताओं ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान बिलिंग, मीटर और बिजली आपूर्ति से संबंधित कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुईं,



जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। इससे उपभोक्ताओं को तत्काल राहत मिली शेष लंबित शिकायतों के संबंध में प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को

घर के पास ही बेहतर सेवा मिल सके जन-सुनवाई में डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) आशु कालिया, निदेशक (तकनीकी) एन.के. मिश्र, निदेशक (वित्त) स्वतंत्र कुमार तोमर समेत मुख्य अभियंता मो. सगीर, गुलाब सिंह, गुरजीत सिंह और जनीकांत मिश्र उपस्थित रहे इसके अलावा अधीक्षण अभियंता अनुराग भल्ला, अरुण कुमार, अभिषेक सिंह, मो. अरशद, स्टाफ ऑफिसर सोनम सिंह, प्रशांत सोनी, सोभ मंगला सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी जन-सुनवाई में सक्रिय योगदान दिया।

हाथरस : शिकायत की पारदर्शिता के लिए डीएम ने किया संग्रह कार्यालय का निरीक्षण, डेढ़ घंटे खंगाले रिकार्ड, जांच के आदेश

मथुरा में सेहत से खिलवाड़, दो दिन में 5 लाख का सिंथेटिक पनीर जल्ट खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने की छापामार कार्यवाही

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल हाथरस। जनता दर्शन में प्राप्त शिकायत की पारदर्शिता एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अतुल वत्स ने मंगलवार को तहसील हाथरस स्थित संग्रह कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ता राधे सिसोदिया पुत्र स्व. राम खिलाड़ी, निवासी ग्राम बघना, पोस्ट बिसाना के साथ स्वयं मौके पर पहुंचकर अभिलेखों की जांच कराई। जिलाधिकारी ने संग्रह कार्यालय में उपलब्ध आरसी पंजिका, रसीद बही एवं मास्टर पंजिका का गहन परीक्षण किया। संबंधित अमीन द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों के आधार पर फसली ऋण के सापेक्ष शिकायतकर्ता द्वारा अमीन को दी गई धनराशि तथा बैंक में जमा कराई गई राशि का मिलान किया गया। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य



सामने आया कि शिकायतकर्ता द्वारा अमीन को दी गई धनराशि की तुलना में बैंक में कम धनराशि जमा की गई है, जो गंभीर अनियमितता की ओर संकेत करता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट धर्मेन्द्र सिंह एवं उप जिलाधिकारी सदर राज बहादुर सिंह को जांच अधिकारी नामित किया है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रकरण की

निष्पक्ष एवं गहन जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर, पटल लिपिक, संबंधित अमीन एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदीप अग्रवाल / बुलंद मंजिल मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने दो दिन में पांच लाख का पनीर नष्ट कराया है। हालांकि इस बीच माफिया ने करोड़ों का पनीर जनता के बीच खपा दिया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय धीरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन तथा मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में खाद्य सचल दल के सदस्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार, राम नरेश, धर्मेन्द्र सिंह, मोहर सिंह कुशवाहा एवं भरत सिंह द्वारा गोपाल बाग, कोसीकलां स्थित बृजवासी डेयरी का निरीक्षण किया गया। पनीर निर्माण इकाई पर मालिक अनुपस्थित पाया गया। मौके पर कार्यरत कर्मचारी सुरेश कुमार पुत्र गोविन्द राम निवासी कोसीकलां को छोड़कर अन्य व्यक्ति टीम को देखकर भाग



गये। पूछताछ करने पर सुरेश ने फर्म के मालिक का नाम मुबारिक पुत्र अब्दुल्ला निवासी कोसीकलां जनपद मथुरा बताया। मौके पर अवैध रूप से बिना खाद्य लाइसेंस प्राप्त कर रिफाईंड सोयाबीन ऑयल, सोयाबीन मिलक आदि अपमिश्रण का प्रयोग कर अस्वच्छकार परिस्थितियों में पनीर का निर्माण होते हुए पाया गया। निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा पनीर के तीन, मिश्रित दूध के दो, स्टिचड

मिल्क पाउडर, मिल्क क्रीम, रिफाईंड पामोलीन ऑयल व सोयाबीन दूध का एक एक नमूना संग्रहित किया गया। मौके पर अस्वच्छकार परिस्थितियों में भंडारित लगभग 900 किलोग्राम पनीर जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 3,00,000 को जल्ट कर खाद्य कारोबारकर्ता के कर्मचारी सुरेश की अभिरक्षा में दिया गया। खाद्य कारोबार कर्ता के उपस्थित होने पर जब्त पनीर के विनष्टीकरण की कार्रवाई कार्यायी जाएगी। अवैध रूप से संचालित पनीर निर्माण इकाई को सील कर दिया गया है एवं बिना खाद्य लाइसेंस प्राप्त कर खाद्य कारोबार संचालन का वाद दायर करने की प्रक्रिया में है। इसके अतिरिक्त जितेन्द्र सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा श्री बांके बिहारी मंदिर के निकट गली नंबर 21 में गौरव डेयरी तथा कृष्णा मिष्ठान भंडार से पेड़ा का एक एक नमूना संग्रहित किया गया। संग्रहित किये गये कुल 11 नमूने संग्रहित कर खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित कर दिए गये हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जायेगी। इससे पहले सोमवार को टीम ने दो लाख रुपए का पनीर नष्ट कराया था।

हाथरस में तानसेन पान मसाला के वजन में कमी का आरोप, कंपनी को विधिक नोटिस

मथुरा की बेटी ने प्रदेशीय योगा ओलंपियाड में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

पैकिंग पर 15 ग्राम, वास्तविक वजन 11 ग्राम का दावा नोटिस के अनुसार पैकेट
अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल हाथरस। जिले में सुर्गंधित पान मसाला के पैकेट के वजन में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। इस संबंध में एक उपभोक्ता की ओर से कंपनी और दो स्थानीय दुकानदारों को विधिक नोटिस भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उपभोक्ता सुशीलकांत गुप्ता (निवासी मधुगढ़ी, हाथरस) ने आरोप लगाया है कि उन्होंने 23 जनवरी 2026 को हाथरस स्थित बिहारीजी प्रोवीजन स्टोर से हतानसेन ब्लूजह सुर्गंधित पान मसाला का एक पाउच खरीदा था, जिस पर 12.5 ग्राम + 2.5 ग्राम (कुल 15 ग्राम) वजन अंकित था तथा कीमत 18 रुपये दर्ज थी। नोटिस पर उनका वास्तविक वजन 11 ग्राम में यह भी दावा किया गया है कि कुछ



अन्य पाउचों के वजन की जांच करने पर उनका वास्तविक वजन 11 ग्राम पाया गया, जबकि पैकिंग पर निर्धारित

वजन अधिक दर्शाया गया था। आरोप है कि यह उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी और गलत ब्रांडिंग का मामला है। उपभोक्ता की ओर से पहले भी 24 फरवरी 2026 को ईमेल और रजिस्ट्री के माध्यम से कंपनी को नोटिस भेजा गया था, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर अब कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। यह नोटिस अधिवक्ता मनोज आंधीवाल द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय, हाथरस से भेजा गया है। नोटिस में कंपनी, दिल्ली स्थित कार्यालय और संबंधित दुकानदारों को पक्षकार बनाया गया है। मामले में कंपनी या संबंधित पक्षों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रदीप अग्रवाल / बुलंद मंजिल मथुरा। लखनऊ के राजकीय जुबली इंटर कॉलेज में हुआ था आयोजन इस छात्रा ने 23 अप्रैल 2025 को सुभाष इंटर कॉलेज मथुरा में आयोजित जनपदीय योगा ओलंपियाड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, 24 अप्रैल 2025 को पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज आगरा में आयोजित मंडलीय प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था। जिससे इसका चयन प्रदेशीय प्रतियोगिता हेतु किया गया था। यह बालिका सत्र 2025 -26 में आयोजित माध्यमिक विद्यालयीय मंडलीय प्रतियोगिता में विजेता रह चुकी है। इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में भी आगरा मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए जनपद फिरोजाबाद के राजकीय आश्रम

पद्धति इंटर कॉलेज वजीपुर फिरोजाबाद के छात्र छात्र सत्यदेव ने भी तृतीय स्थान प्राप्त किया है। आगरा मंडल के उक्त दोनों बालक बालिकाओं का चयन राष्ट्रीय योगा ओलंपियाड हेतु किया गया है। राष्ट्रीय योग ओलंपियाड का आयोजन 15 से 18 जून के मध्य किया जाएगा। दोनों छात्र-छात्राओं को शनदार उपलब्धि पर आगरा मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. मुकेश चंद्र अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद वीरेंद्र कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल सिंह, मंडलीय सचिव अनिल

कुमार जनपद क्रीड़ा सचिव फिरोजाबाद डॉ. दिनेश सिंह चाहर, मंडलीय क्रीड़ा समिति के सदस्य अनिल कुमार वशिष्ठ, कुमारी सीमा शर्मा, जिला ओलंपिक संघ के सचिव महेंद्र सिंह राजपूत, जिला योग संघ के सचिव वीरेंद्र सिंह, जिला एथलेटिक संघ के सचिव या सिंह, फुटबॉल संघ के सचिव डॉ. दलबीर सिंह कौन्ये, कबड्डी संघ के सचिव सुनील श्रीवास्तव, खो खो संघ के सचिव सर्वेश सोलंकी, हेमराज, ममता राजपूत, रूबी पवार, डीके सिंह, बलभद्र सिंह, अमित गौतम, राकेश साहू आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

ग्राहकों से धोखाधड़ी : अवैध कॉलोनी पर प्रशासन मौन, चमारपट्टी में कीर्तिपुरम के नाम पर धड़ल्ले से प्लॉटिंग

नियमों को ठेंगा दिखाकर कट रहे प्लॉट, कार्रवाई का इंतजार बिना अनुमति बस रही कॉलोनी, जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

अनिल चौधरी, बुलन्द मंजिल हाथरस। सदर तहसील क्षेत्र के मुरसान कस्बा स्थित ग्राम चमारपट्टी में अवैध आवासीय कॉलोनी के निर्माण को लेकर मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। गाटा संख्या 79, 136 और 73/2 पर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के प्लॉटिंग और निर्माण कार्य खुलेआम जारी है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार गाटा संख्या 73/2 पर हकीर्तिपुरम नाम से कॉलोनी विकसित की जा रही है। वहीं गाटा संख्या 136, ब्लॉक रोड नगला बाबू तथा कन्हैया फार्म हाउस के आसपास भी अवैध रूप से प्लॉट काटे जा रहे हैं। आरोप है कि बुद्ध विहार कॉलोनी,



सादाबाद अड्डा मुरसान निवासी मोनु गौतम पुत्र बच्चू सिंह व अन्य लोगों द्वारा बिना किसी वैध स्वीकृति के यह निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कृषि भूमि को बिना भूमि उपयोग परिवर्तन कराए ही आवासीय कॉलोनी में बदला जा रहा है। न तो नक्शा पास कराया गया है और न ही संबंधित विभागों से अनुमति ली गई है। इसके बावजूद सड़कों

का निर्माण कर प्लॉट बेचे जा रहे हैं और खरीदारों को रजिस्ट्री के नाम पर गुमराह किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं और लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की अवैध कॉलोनियां

भविष्य में बड़ी समस्याओं को जन्म देती हैं। इनमें न तो जल निकासी, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं सही ढंग से उपलब्ध हो पाती हैं और न ही कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित होती है, जिससे खरीदारों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। फिलहाल निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस अवैध निर्माण पर कब तक कार्रवाई करता है।

33 केवी लाइन का खंभा गिरने से नया मुरादाबाद में 10 घंटे बिजली गुल, लोग परेशान

बुलन्द मंजिल ब्यूरो पाकबड़ा। नया मुरादाबाद क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब 33 केवी विद्युत लाइन का एक खंभा अचानक दूसरी 33 केवी लाइन पर गिर गया। इस घटना के कारण पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई और करीब 10 घंटे तक लोगों को भीषण गर्मी में बिना बिजली के रहना पड़ा। बिजली गुल होने से सबसे ज्यादा परेशानी घरेलू उपभोक्ताओं को झेलनी पड़ी। लंबे समय तक बिजली न आने के कारण घरों में लगे इनवर्टर भी जवाब दे गए, जिससे लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। क्षेत्र के निवासी ने बताया कि सुबह से ही बिजली नहीं आने के कारण दैनिक कार्यों में

भारी दिक्कतें आईं। पेयजल की समस्या से लेकर बच्चों और बुजुर्गों तक सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ा। गर्मी के इस मौसम में इतनी लंबी बिजली कटौती से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। मामले में 33 केवी लाइन के जेई अजीत पांडित ने बताया कि एक खंभा अचानक दूसरी लाइन पर गिर गया था, जिससे खंभा टूट गया और आपूर्ति बाधित हो गई। विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य शुरू किया और नया खंभा स्थापित करने के बाद बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया गया। करीब 10 घंटे की मशक्कत के बाद शाम तक विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

अभिभावक अपने बच्चों पर विशेष सतर्कता एवं निगरानी रखें, नदी, नहर एवं पोखरों में स्नान करने से बचें : जिलाधिकारी

दैनिक बुलन्द मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर सम्भल। जनपद में डूबने से होने वाली घटनाओं के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने समस्त जनपदवासियों से अपील की है कि वे नदी, नहर एवं पोखरों में स्नान करने से बचें। अभिभावक अपने बच्चों पर विशेष सतर्कता एवं निगरानी रखें, जिससे किसी भी प्रकार की अनहोनी की संभावना को रोका जा सके। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि स्नान के लिए केवल चिन्हित एवं सुरक्षित घाटों पर ही स्नान करें। जनपद सम्भल के जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तहसील गुनौर में 15 लाइफ जैकेट उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त घाटों पर बैरिकेडिंग कर सुरक्षित क्षेत्र विकसित करने तथा आपात स्थिति में बचाव कार्य हेतु रस्सी, नाव एवं प्रशिक्षित नाविकों की

तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। डूबने की घटनाओं को रोकथाम हेतु जनपद-सम्भल द्वारा हक्या करे / क्या न करेह संबंधी विस्तृत एडवाइजरी भी जारी की गई है। समस्त नागरिकों से अनुरोध है कि उपर्युक्त दिशा-निर्देशों का पालन कर स्वयं एवं अपने परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। डूबने से बचाव हेतु एडवाइजरी क्या करें उफनाई हुई नदी, नहर, नाले तालाब आदि में न जाएं एवं अपने स्वच्छलों को भी जाने से रोके। बच्चों को पुलियास, ऊंचे टीलों से पानी में कूद कर स्नान करने से रोके। अति आवश्यक दो तो ही पानी में उतरें व गहराई का ध्यान रखें। भली प्रकार तैरना जानते हों तभी पानी में उतरें / स्नान करें

निजीकरण का फैसला वापस होने तक आंदोलन जारी रहेगा : मथुरा हाथरस में बिजली कर्मचारियों की विरोध सभाएं

प्रदीप अग्रवाल / बुलन्द मंजिल मथुरा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने ऊर्जा निगम प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा है कि प्रदेश के बिजली कर्मचारी भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं और किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए दिन-रात कार्य कर रहे हैं, इसके बावजूद उन पर दमनात्मक और उरपीड़न की कार्रवाइयां की जा रही हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि यदि कर्मचारियों पर की जा रही कार्रवाई तत्काल वापस नहीं ली गई तो ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति की स्थिति उत्पन्न होगी, जिसकी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। समिति ने आरोप लगाया कि



पनकी और जवाहरपुर ताप विद्युत गृहों के संचालन एवं अनुरक्षण कार्य को आउटसोर्स करने का निर्णय कर्मचारियों के आक्रोश को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि जनता के धन से बनी ऊर्जा परिसंपत्तियों को किसी भी कीमत पर निजी हाथों में नहीं जाने दिया जाएगा। समिति के अनुसार पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के

निजीकरण की घोषणा के बाद से प्रदेश भर के बिजली कर्मचारी पिछले 517 दिनों से लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि जिस दिन निजीकरण का टेंडर जारी होगा, उसी दिन प्रदेश भर में सामूहिक हड़ताल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा। संघर्ष समिति ने यह भी कहा कि मार्च 2023 के आंदोलन के दौरान कर्मचारियों

पर की गई कार्रवाइयों को ऊर्जा मंत्री के निर्देश और समझौते के बावजूद अब तक वापस नहीं लिया गया है। इसी के विरोध में 16 अप्रैल से प्रदेशव्यापी जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत आज मथुरा और हाथरस में बिजली कर्मचारियों एवं इंजीनियरों की सभाएं आयोजित की गईं। सभाओं को संघर्ष समिति के केन्द्रीय पदाधिकारी जितेंद्र सिंह गुर्जर, महेंद्र राय और मोहम्मद वसीम ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि उरपीड़न की सभी कार्रवाइयां जल्द वापस ली जाएं, अन्यथा व्यापक आंदोलन किया जाएगा और निजीकरण किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने दिया जाएगा।

गर्वा में नारी शक्ति वंदना सम्मेलन 2026 भाजपा आयोजित हुआ



दैनिक बुलन्द मंजिल सम्भल/गर्वा। में आज गुनौर विधानसभा क्षेत्र के कस्बा गर्वा में आयोजित 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' में उपस्थित मातृशक्ति ने एक स्वर में अपनी आवाज बुलन्द की। यह सम्मेलन उन राजनीतिक बाधाओं और विरोधों के खिलाफ एक सशक्त जवाब है, जिन्होंने 33% महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को संसद में समर्थन देने से इनकार कर दिया जब देश की बेटियों और बहनों को उनका लोकतांत्रिक हक देने की बात आई, तो विपक्षी दलों ने अपने दोहरे चरित्र का परिचय दिया।

आज का यह विशाल जमावड़ा यह सिद्ध करता है कि भारत की नारी अब चुप नहीं बैठेगी। वह अपने अधिकारों, उचित प्रतिनिधित्व और सम्मान के लिए संघर्ष करने को पूरी तरह तैयार है। सम्मेलन के मुख्य बिंदु: विपक्ष के महिला-विरोधी रुख का विरोध: 33% आरक्षण विधेयक को रोकने की साजिशों का पुरजोर विरोध। सम्मान और सुरक्षा: महिलाओं के प्रति अपमानजनक मानसिकता के खिलाफ एकजुटता। उचित प्रतिनिधित्व की मांग: नीति-निर्धारण और राजनीति में महिलाओं की एक-तिहाई भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प। सशक्त नारी ही

सशक्त भारत का आधार है। हम तब तक नहीं रुकेगी जब तक हर नारी को उसका उचित स्थान और सम्मान नहीं मिल जाता। मुख्य रूप से दीपक यादव जिला उपाध्यक्ष, पूर्व चेरमैन गर्वा अखिलेश अग्रवाल, उमेश चन्द्र शर्मा भाजपा मण्डल अध्यक्ष, प्रमोद कुमार मण्डल उपाध्यक्ष, विदेश यादव मण्डल महामंत्री, द्रौपदी खड्गवंशी मण्डल उपाध्यक्ष, अखिलेश यादव मण्डल मंत्री, सर्वेश दिवाकर नगर पंचायत अध्यक्ष, नीलम वर्मा नामित सभासद, प्रेमवती चाल्की सभासद व मातृशक्ति उपस्थित रहीं। जय नारी शक्ति! जय हिंद!

जिलाधिकारी ने प्रभारी मंत्री का पुष्प व पुस्तक देकर किया स्वागत

दैनिक बुलन्द मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर बहजोई। सभागार बहजोई में प्रभारी मंत्री संभल / राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगाड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम प्रभारी मंत्री जी का जिलाधिकारी द्वारा एक पुष्प एवं पुस्तक देकर स्वागत किया। बैठक के अंतर्गत जिलाधिकारी ने बैठक से संबंधित प्रमुख बिंदुओं के विषय में प्रभारी मंत्री जी को विस्तारपूर्वक अवगत कराया। विद्युत विभाग के अंतर्गत दैनिक विद्युत आपूर्ति को लेकर जिलाधिकारी ने विस्तार पूर्वक जानकारी दी जिसको लेकर माननीय प्रभारी मंत्री जी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। स्मार्ट मीटर को लेकर भी चर्चा की गई जिसमें बताया गया कि स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं है स्वेच्छ से ही इसको



लगावा सकते हैं। जिलाधिकारी ने स्मार्ट मीटर से संबंधित प्रमुख बिंदुओं के विषय में भी अवगत कराया। कृषि विभाग की योजना को लेकर चर्चा की गई तथा उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी के द्वारा बताया गया कि पोर्टल पर तकनीकी समस्या के कारण सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मनरेगा आरईडी विभाग के अंतर्गत सड़क निर्माण, स्वास्थ्य विभाग, जननी सुरक्षा योजना, पंचायत राज विभाग के अंतर्गत 5

वां राज्य वित्त आयोग, फेमिली आरईडी, व्यक्तिगत शौचालय, पर्यटन ,ओडीओपी वित्तीय पोषण योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना इत्यादि को लेकर भी चर्चा की गई। इसके उपरांत कानून व्यवस्था को लेकर भी मंत्री जी ने समीक्षा बैठक की जिसमें पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के द्वारा कानून व्यवस्था से संबंधित प्रमुख बिंदुओं, सीएम हेल्पलाइन, भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा विस्तार पूर्वक जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गैस एवं तेल

को लेकर भी जिला पूर्ति अधिकारी एवं जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर रेंडम चेकिंग की जा रही है। पुलिस की कार्यवाहियों की विवेचना एवं एसएचओ के मूल्यांकन को लेकर भी प्रभारी मंत्री जी को जानकारी दी। प्रभारी मंत्री जी ने कहा की जनपद संभल मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता पर है हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए कि जनपद सम्भल में सरकार की समस्त योजनाओं से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी लाभ प्राप्त हो सके और उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी शिकायतों को गंभीरता से निस्तारण किया जाए प्रयास करें कि कोई भी शिकायतकर्ता ना भटके उसको देख लें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाथरस : इंटरमीडिएट टॉपर्स छात्राओं का सम्मान, एसपी ने किया उत्साहवर्धन

शिवाय इंटर कॉलेज सादाबाद की छात्रा दीक्षा 94.20 तथा एसएनएसबीडी इंटर कॉलेज मैण्डू की छात्रा मीरा ने हासिल किए 89.40 प्रतिशत अंक

अनिल चौधरी, बुलन्द मंजिल हाथरस। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जनपद की मेधावी छात्राओं को मंगलवार को सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने महिला थाना हाथरस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान टॉपर छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर शिवाय इंटर कॉलेज सादाबाद की छात्रा दीक्षा, जिसने 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, तथा एसएनएसबीडी इंटर कॉलेज मैण्डू की छात्रा मीरा, जिसने 89.40 प्रतिशत अंक हासिल किए, को सम्मानित जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैसिया पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।



है। छात्राओं को निरंतर प्रशंसा करते रहने, उच्च लक्ष्य निर्धारित करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसपी ने छात्राओं से संवाद कर उनके भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली और उन्हें करियर चयन के लिए मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने छात्राओं को अपनी रचि और क्षमता के अनुसार क्षेत्र चुनने तथा समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने की सलाह दी।

इस मौके पर अभिभावकों और शिक्षकों की भी सराहना की गई, जिनके सहयोग से छात्राओं ने यह सफलता प्राप्त की। छात्राओं ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और निरवमित अध्ययन को दिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें छात्राओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की।

बलदेव अग्रवाल नेचुरोपैथी सेंटर में योग एवं आयुर्वेद संगम का भव्य आयोजन

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

दैनिक बुलन्द मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर सम्भल। कांट रोड स्थित बलदेव अग्रवाल नेचुरोपैथी सेंटर में प्रातःकाल योग एवं आयुर्वेद संगम कार्यक्रम का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। प्राकृतिक चिकित्सा, योग एवं आयुर्वेद को समर्पित यह सेंटर निरंतर समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और भारतीय जीवन पद्धति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सेंटर का शांत, प्राकृतिक एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण सभी आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर अमलतास सोसाइटी



के सम्मानित सदस्यगण एवं लघु उद्योग भारती के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया तथा आयुर्वेद के महत्व को समझा। यह कार्यक्रम भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल के

मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया। समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और जनजागरण के क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयास प्रेरणादायी हैं। स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय पर उनकी सकारात्मक सोच और दूरदर्शी मार्गदर्शन से ऐसे आयोजन समाज

में जागरूकता का नया संदेश दे रहे हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को योग एवं आयुर्वेद से जोड़ना। प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना रहा। उपस्थित जनों ने बलदेव अग्रवाल नेचुरोपैथी सेंटर को इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए इसे समाजहित में एक सराहनीय कदम बताया। स्वस्थ समाज, सशक्त समाज के संकल्प के साथ संपन्न हुआ यह आयोजन क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता का एक सकारात्मक संदेश देकर गया।

भारत की जनगणना 2027 प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का द्वितीय चरण प्रारम्भ

दैनिक बुलन्द मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर सम्भल। जनपद में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के अंतर्गत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों हेतु आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय चरण आज प्रारम्भ हो गया। उक्त प्रशिक्षण हेतु कुल 36 बैचों में 1570 कार्मिक नामित किए गए हैं। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस कुल 1570 नामित कार्मिकों के सापेक्ष 1505 कार्मिकों ने सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की, जबकि 65 प्रशिक्षु अनुपस्थित रहे। फील्ड ट्रेनिंग द्वारा प्रथम दिवस

के दौरान प्रतिभागियों को डेटा संकलन की प्रक्रिया, मोबाइल एप के प्रभावी उपयोग तथा सटीक एवं त्रुटिरहित प्रविष्टि के महत्व के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के शुभारम्भ अवसर पर जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेंद्र पैसिया एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा द्वारा सभी कार्मिकों को जनगणना के महत्व से अवगत कराते हुए यह सख्त निर्देश दिए गए कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा कार्य की गोपनीयता पूर्णतः बनाए रखी जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि 07 मई,

2026 से प्रारम्भ होने वाले स्व-गणना (सेल्फ रेगुलेशन) अभियान को व्यापक रूप से संचालित किया जाए तथा अधिक से अधिक नागरिकों को इसमें सहभागी बनने हेतु प्रेरित किया जाए। इस दौरान उप जिलाधिकारी सम्भल गु-नौर एवं च-दौसी द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों का स्थलीय निरीक्षण भी किया गया तथा प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान का समुचित उपयोग करते हुए

मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण ईमानदारी, सतर्कता एवं लगन के साथ संपादित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए। साथ ही अधिसूचित 07 मई, 2026 से 21 मई, 2026 तक निर्धारित 15 दिवस की अवधि के दौरान अधिकतम नागरिकों को स्व-गणना हेतु प्रोत्साहित किया जाए, जिससे जनगणना प्रक्रिया को अधिक सुगम, सटीक एवं प्रभावी बनाया जा सके। प्रशिक्षण में अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। अंत में सभी उपस्थित लोगों को स्व-गणना के आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु पृथक से पत्र प्रेषित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सीबीएसई एवं आईसीएससी से संबंध

धूमधाम से मनाया गया कल्कि जयंती उत्सव

निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ किया बैठक आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर सम्भल/बहजोई। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैसिया की अध्यक्षता में सीबीएसई एवं आईसीएससी से सम्बद्ध निजी विद्यालयों में शुल्क वृद्धि, एनसीईआरटी की पुस्तकें संचालित होने तथा विद्यालयों में नामांकन अभियान के संबंध में सीबीएसई एवं आईसीएससी से संबंध निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अंतर्गत शुल्क वृद्धि को लेकर चर्चा की गयी। गत बैठक में जिन विद्यालयों द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक तथा बिना जिला शुल्क नियामक समिति से अनुमोदन प्राप्त किये शुल्क लिया गया था उनको प्रत्यावेदन देने का समय दिया गया था प्रत्यावेदन के निस्तारण के बाद 15 विद्यालय अधिक शुल्क लेने के दोषी पाए गए। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि इन 15 विद्यालयों से संबंधित शुल्क का विवरण आज ही संबंधित प्रधानाचार्यों को प्राप्त करा दिया जाए तथा इनका पक्ष आज ही लेकर आज ही पत्रावली जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत



की जाए। एनसीईआरटी की पुस्तकों के संचालन को लेकर बैठक में चर्चा की गई तथा बैठक में इस पर चर्चा की गई कि कक्षा नर्सरी से कक्षा 8 तक निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें विद्यालयों में चलाए जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं जिसको लेकर जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि इन पर निंत्रण लगाना सुनिश्चित करें। बैठक के अंतर्गत विद्यालयों में नामांकन अभियान को लेकर भी चर्चा की गई जिसमें कक्षा 8 उत्तीर्ण एवं कक्षा 10 उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राओं के शत प्रतिशत प्रवेश को लेकर आवश्यक दिशा निर्देशित करते हुए कहा कि कक्षा 8 उत्तीर्ण एवं कक्षा 10

उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राओं का शत प्रतिशत प्रवेश कक्षा 9 एवं कक्षा 11 में कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा समस्त प्रधानाचार्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक अभियान चलाते हुए नामांकन के कार्य को पूर्ण किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि सांस्कृतिक मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा ज्ञान भारत-मिशन के अंतर्गत भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा, पांडुलिपियों और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित डिजिटल रूप में सुरक्षित और आम लोगों तक पहुंचाने के लिए शुरू किया गया है। उन्होंने इसके उद्देश्य तथा कार्यों के विषय में भी जानकारी दी। उन्होंने ज्ञान भारतम पोर्टल के

विषय में भी बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के पास पाण्डुलिपि हो तो उसके विषय में बताए ताकि उसको ज्ञान भारतम मिशन से जोड़ा जा सके। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित प्रधानाचार्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि ऐसे बच्चे जो आपके विद्यालयों में पढ़ें हैं तथा उन्होंने आगे आपके विद्यालय या अन्य किसी विद्यालय में अपना पंजीकरण नहीं कराया है उनकी सूची जिला विद्यालय कार्यालय को उपलब्ध कराए ताकि ऐसे बच्चे ड्रॉप आउट से बच सकें। जिलाधिकारी ने ज्ञान भारतम मिशन के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि यह मिशन प्रधानमंत्री का मिशन है। उन्होंने कहा कि यह मिशन मुख्य रूप से पुरानी पाण्डुलिपियों, ग्रन्थों और पारम्परिक ज्ञान को खोजने, संरक्षित करने तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने पर केन्द्रित है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस ज्ञान का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास पुराने रिकॉर्ड, संस्मरण, डायरी, यात्रा वृत्तान्त आदि हों वह उनके विषय में जानकारी दे ज्ञान भारतम

मिशन के अंतर्गत आप अपनी धरोहर को अगे बढ़ा सकते हैं। जिलाधिकारी ने जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना के विषय में बताते हुए कहा कि स्व-गणना का कार्य 07 मई 2026 से 21 मई 2027 तक चलेगा यह एक नयी सुविधा है, जिसमें लोग गणना कर्मों के आने से पहले ही अपनी जनगणना की जानकारी खुद ऑनलाइन भर सकते हैं। जिलाधिकारी ने 29 अप्रैल को होने वाले गंगा एक्सप्रेसवे उद्घाटन को लेकर भी जानकारी दी और उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे का दिनांक 29 अप्रैल को मा. प्रधानमंत्री जी के द्वारा जनपद हरदोई से उद्घाटन किया जाएगा तथा जनपद सम्भल में लहरावन के पास बने इंटरचेंज के पास उद्घाटन से संबंधित एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, प्रभारी डीपीएमपू श्यामा कुमार एवं संबंधित सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड से संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए, कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम

दैनिक बुलंद मंजिल / बीरेंद्र सिंह/सिंहपुसानी

संभल। के श्री कल्कि धाम एचोड़ा कंबोह में श्री कल्कि जयंती उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम श्री कल्कि यज्ञशाला में श्री कल्कि प्राकट्य यज्ञ किया गया जिसमें पूणहुति श्री कल्कि पीठाधीश्वर श्रीमद् जगद्गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम ने की। यज्ञ के पश्चात श्री कल्कि धाम में लगे हुए विशाल पांडाल में श्री कल्कि जयंती का उत्सव का शुभारंभ अभिजीत नक्षत्र में अपराह्न 12.00 बजे श्रीमद् जगद्गुरु सतीशाचार्य, श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि, श्री कल्कि पीठाधीश्वर श्रीमद् जगद्गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम, अखाड़ा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव महामंडलेश्वर नारायण गिरी, स्पेन से पधारें महेश आचार्य, महामंडलेश्वर जलेश्वर एवं महामंडलेश्वर कंचन गिरी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात आचार्य प्रमोद कृष्णम द्वारा इस शुभ अवसर पर संत समागम में संतों के सम्मुख गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देना, श्री कल्कि धाम से गंगा एक्सप्रेस-वे को जोड़ना, श्री कल्कि जयंती की तिथि को शास्त्रीय आधार पर घोषित करने सहित कुल पांच प्रस्ताव रखे। संत



समागम में प्रस्तावों पर बोलते हुए सभी संतों ने एकमत से कहा कि श्री कल्कि पीठाधीश्वर श्रीमद् जगद्गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम द्वारा रखे गए सभी प्रस्तावों का समर्थन संत समाज द्वारा किया जा रहा है। श्रीमद् जगद्गुरु सतीशाचार्य ने श्री कल्कि धाम निर्माण के लिए 12 करोड़ 12 लाख 12 हजार 12 सौ 12 रूपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रत्येक सनातनी का यह कर्तव्य है कि वह श्री कल्कि धाम निर्माण में यथासंभव सहयोग करें। जगद्गुरु चक्रपाणि ने 5 लाख रूपए श्री कल्कि धाम निर्माणार्थ देने की घोषणा की। महामंडलेश्वर नारायण गिरी जी 1 लाख रूपए श्री कल्कि धाम निर्माण के लिए देने की घोषणा की। पूर्व सांसद नवजोत कौर सिद्ध ने बोलते हुए कहा कि हम सभी परमात्मा का ही अंश हैं और श्री कल्कि अवतार का जिज्ञा हमारे गुरुओं ने भी किया है हम सभी पंजाब के लोगों के लिए इस अवतार भूमि की सेवा

करना सौभाग्य का विषय है। कार्यक्रम में आए उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निपाद ने कहा कि हमारा समाज भगवान का सेवक? रहा है भगवान राम ने निपाद राज को अपना मित्र माना, कलियुग में भगवान राम श्री कल्कि रूप में यहां अवेंगे तो ऐसे में हमारा सौभाग्य है कि आचार्य प्रमोद कृष्णम की वजह से हम यहां आकर माथा टेक पाए। जहां तक श्री कल्कि जयंती की शास्त्रीय तिथि का प्रश्न है यह सरकार तो स्वयं संतों की सरकार है संतों का प्रत्येक प्रस्ताव कारित करने के लिए सरकार तत्पर है। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर श्री कल्कि भगवान के बाल स्वरूप को सभी आर्गंतुकों द्वारा झुला झुलाया गया। इसके बाद भंडार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक नागर, परमेश्वर लाल सैनी, बिजेंद्र त्यागी, लवकुश शर्मा आदि रहे।

शादी के घर में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर से पाइप निकालने से लगी आग एक मासूम सहित तीन महिलाएं झुलसी

दैनिक बुलंद मंजिल रहरा। थाना क्षेत्र के गांव खेलिया खालसा में मंगलवार को एक शादी समारोह की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब खाना बनाते समय गैस सिलेंडर से पाइप निकलने के कारण अचानक भीषण आग भड़क उठी। हादसे में एक मासूम बच्ची सहित तीन महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी शोभित पुत्र धर्मपाल की बारात जाने की तैयारियां जोंरों पर थीं। घर में मेहमानों के लिए महिलाएं खाना बना रही थीं। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर से जुड़ा पाइप निकल गया, जिससे तेजी से गैस का रिसाव हुआ और देखते ही



देखते आग की तेज लपटें उठने लगीं। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास मौजूद लोग संभल भी नहीं पाए। इस हादसे में उर्मिला पत्नी धर्मवीर, भुवनेश देवी पत्नी नीरज, राजवती पत्नी आनंद और मासूम तनु पुत्री नीरज आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के तुरंत

बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने बिना देर किए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहरा पहुंचाया। सीएचसी प्रभारी डॉ. चौधरी ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि सभी घायलों की हालत गंभीर है। स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज

के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह हादसा और भी भयावह रूप ले सकता था। फिलहाल गांव में इस घटना के बाद शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है। जहां एक ओर शादी की खुशियां थीं, वहीं इस दर्दनाक हादसे ने पूरे माहौल को गमगीन कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही टीम मौके पर पहुंची है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही हादसे के कारणों का स्पष्ट खुलासा किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने गौ पूजन कर गोवंशों को गुड व केले खिलाकर किया गौशाला का निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर बहजोई। प्रभारी मंत्री संभल/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ धर्मवीर प्रजापति के द्वारा विकासखंड बहजोई के ग्राम वहांपुर पट्टी में निराश्रित गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री के द्वारा सर्वप्रथम गो पूजन करते हुए गोवंशों को गुड़ एवं केले खिलाए गए तथा गौशाला की व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की और निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री जी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। मंत्री जी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि लू एवं बढ़ते तापमान के दृष्टिगत टीनशेड पर घास फूस



लागवाना सुनिश्चित करें ताकि गोवंशों को कोई समस्या उत्पन्न ना हो। प्रभारी मंत्री जी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि चारागाह भूमि को कब्जा मुक्त करते हुए भूमि पर हरे चारा की बुवाई कराई जाए। इसके उपरांत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई का निरीक्षण किया सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री जी ने इमरजेंसी वार्ड तथा आरवीएसके में, औषधि वितरण कक्ष, औषधि भंडार कक्ष आदि का निरीक्षण किया

तथा अस्पताल में उपस्थित रोगियों से वार्ता करते हुए उनकी समस्या के विषय में जानकारी प्राप्त की। प्रभारी मंत्री जी ने औषधि वितरण को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा एंटी वैनम की उपलब्धता के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज बिशनेई सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएचसी द्वारा लक्ष्य कॉलेज में टीडी टीकाकरण कैंप आयोजित, 105 बच्चों को लगाया गया टीका

दैनिक बुलंद मंजिल मोहम्मद फैजान स्योहारा। लक्ष्य कॉलेज में सीएचसी स्योहारा द्वारा टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 105 बच्चों का टीकाकरण किया गया। कैंप के दौरान बच्चों में टीका लगवाने को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। कैंप का निरीक्षण सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं और टीकाकरण की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन



समिति, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। डॉ. स्नेही ने बच्चों एवं अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि टीडी वैक्सीन टिटनेस और

डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने टीबी रोग के लिए चलाए जा रहे 100 दिवसीय स्क्रीनिंग अभियान की भी जानकारी दी। इस दौरान डॉ. स्नेही ने लक्ष्य कॉलेज के डायरेक्टर अनुराग चौहान से मुलाकात कर 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी बच्चियों को एचपीवी (सर्वाइकल कैंसर) वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पीटीएम बैठक के माध्यम से अभिभावकों की सहमति लेकर अधिक से अधिक बच्चियों को वैक्सीन लगवाने का अनुरोध किया। कैंप के सफल आयोजन में डायरेक्टर अनुराग चौहान, प्रधानाचार्य रिवाला त्यागी एवं उनकी पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, एसटीएस मोहम्मद फारूख, दुशाला शर्मा, सरिता चौहान, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहीं।

चांदपुर बाईपास पर मौत का तांडव तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को रौंदा, हालत नाजुक

देवी मंदिर के पास फोरमैन वर्कशॉप के सामने भीषण टक्कर-स्कूटी कार के नीचे घुसी, दूसरी कार से भी भिड़त, युवक हायर सेंटर रेफर

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर बाईपास रोड पर दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब देवी मंदिर के समीप फोरमैन वर्कशॉप के सामने एक तेज रफ्तार कार ने इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि स्कूटी कार के नीचे जा फंसी और कार आगे जाकर दूसरी कार से भी टकरा गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव गोयली निवासी फिरोज अहमद (पुत्र मोहम्मद मोमिन) सोमवार दोपहर बाद तहसील की ओर से रोडवेज बस अड्डे की तरफ अपनी स्कूटी से जा रहे थे। जैसे ही वह बाईपास रोड पर देवी मंदिर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। भीषण टक्कर से मची चीख-पुकार प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी पूरी तरह कार के नीचे दब गई और कार अनियंत्रित होकर पास खड़ी दूसरी कार से जा भिड़ी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े और घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों की तत्परता



से बची जान हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने साहस दिखाते हुए घायल युवक को कार के नीचे से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस 108 मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्थापित ले जाया गया। गंभीर हालत में किया गया रेफर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने युवक की हालत नाजुक देखते हुए उसे हायर सेंटर (जिला अस्पताल) रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार युवक की गंभीर चोटें आई हैं और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। तेज रफ्तार और लापरवाही पर उठे सवाल

प्राथमिक जांच में हादसे का मुख्य कारण कार की तेज रफ्तार और लापरवाही माना जा रहा है। घटना के बाद कुछ समय तक बाईपास मार्ग पर यातायात भी बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया। स्थानीय लोगों की मांग क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि चांदपुर बाईपास पर तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए, स्पीड चेकिंग और निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। चांदपुर बाईपास पर लगातार हो रहे सड़क हादसे प्रशासन के लिए चेतावनी हैं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे हादसे और भी गंभीर रूप ले सकते हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे उद्घाटन समारोह से संबंधित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर सम्भल/बहजोई। मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 29 अप्रैल 2026 को हरदोई से प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। जनपद सम्भल में लहरावन अचलपुर के पास गंगा एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के पास गंगा एक्सप्रेसवे उद्घाटन समारोह से संबंधित कार्यक्रम की तैयारियों को

लेकर आज जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैसिया द्वारा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी चंदोसी नीतू रानी, जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, खण्ड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर शिकायतों के समाधान को लेकर मेगा कैंप, 5,156 में से 4,572 शिकायतें मौके पर निस्तारित

बुलन्द मंजिल ब्यूरो मुगदाबाद मेरठ। स्मार्ट प्रीपेड मीटर से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पश्चिमंचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डिस्कॉम) द्वारा सभी 14 जनपदों में विशेष मेगा कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इन कैंपों का उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर मौके पर ही निस्तारण कर उन्हें शीघ्र रहत प्रदान करना है डिस्कॉम के अनुसार 24 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक आयोजित इन कैंपों में कुल 5,156 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4,572 मौके पर ही सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर जल्द

सुलझाने की प्रक्रिया जारी है कैंपों में बिल संशोधन, कंयूम्बर पेप संचालन, तकनीकी खामियां और रिमोट कनेक्ट/डिस्कनेक्ट जैसी समस्याओं का विशेष रूप से समाधान किया गया। इस पहल से बिजली सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के साथ उपभोक्ताओं को पारदर्शी और त्वरित सेवाएं मिल रही हैं डिस्कॉम अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को कई सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। बैलेंस बनाए रखने पर बिजली दरों में 2 प्रतिशत तक की छूट, रियल-टाइम खपत की जानकारी, स्वचालित मीटर रीडिंग और इमरजेंसी क्रेडिट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा शम 6 बजे से सुबह 8 बजे

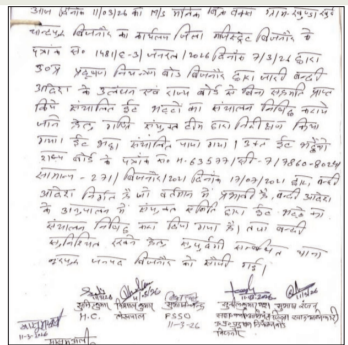
तक और रविवार व सार्वजनिक अवकाश के दिन हल्के-कट विंडोह की व्यवस्था लागू है, जिससे उपभोक्ताओं को अचानक बिजली कटौती से राहत मिलती है उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत माध्यमों जैसे यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ही रिचार्ज करें। किसी भी प्रकार की शिकायत या सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 1912 पर संपर्क किया जा सकता है डिस्कॉम का कहना है कि मेगा कैंपों के जरिए उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान में तेजी आई है और बेहतर, पारदर्शी व समयबद्ध सेवाएं देने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

नूरपुर में सीज भद्रा फिर चालू चांदपुर तहसील के कुण्डा खुर्द में अवैध मलिक ब्रिक्स वर्क्स ने उड़ाई कानून की धज्जियां

फर्जी शपथ पत्र बनाकर किसानों की जमीन हड़पने के आरोप, प्रशासनिक कार्रवाई के बाद भी दोबारा संचालन से उठे बड़े सवाल

दैनिक बुलन्द मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद बिजनौर की तहसील चांदपुर क्षेत्र के ग्राम कुण्डा खुर्द में स्थित हूमलिक ब्रिक्स वर्क्स नामक ईट भट्टा इन दिनों विवादों के केंद्र में है। स्थानीय ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों ने इस भट्टे को पूरी तरह अवैध बताते हुए आरोप लगाया है कि इसका निर्माण बिना किसी वैधानिक अनुमति के किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि भट्टा संचालकों द्वारा पड़ोसी किसानों की पैतृक भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया गया और उसी जमीन पर भट्टा स्थापित कर दिया गया। इतना ही नहीं, पीड़ित किसानों-ओमपाल सिंह, गंगादेई, रतिराम और राकेश कुमार-के नाम से कथित रूप से फर्जी शपथ पत्र तैयार कर उनकी जमीन हड़पने का भी गंभीर आरोप सामने आया है। शिकायत के बाद हुई थी कार्रवाई पीड़ित परिवारों की शिकायत पर 11



मार्च 2026 को जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर छापा मारकर जांच की थी। जांच के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर भट्टे को सीज कर दिया गया था। इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब अवैध संचालन पर पूरी तरह रोक लग जाएगी। सीज के बावजूद फिर चालू हुआ भट्टा लेकिन आरोप है कि प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद भट्टा संचालकों ने कुछ समय बाद ही पुनः भट्टे का संचालन शुरू कर दिया। इससे न केवल प्रशासनिक आदेशों



की अवहेलना हुई है, बल्कि कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पहले भी होता रहा है उल्लंघन स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब उक्त भट्टा अवैध रूप से संचालित किया गया हो। पहले भी कई बार बिना अनुमति भट्टा चलाया गया और हर बार कार्रवाई के बाद भी दोबारा संचालन शुरू कर दिया जाता है। ग्रामीणों में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग इस पूरे प्रकरण को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि

प्रशासन द्वारा केवल औपचारिक कार्रवाई कर चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है, जिससे भट्टा माफियाओं के हासले लगातार बढ़ रहे हैं। पीड़ित परिवारों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर हो। पहले भी कई बार बिना अनुमति कार्रवाई की जाए, अवैध कब्जा हटाया जाए और भट्टे को स्थायी रूप से बंद कराया जाए। क्या प्रशासन इस बार ठोस और स्थायी कार्रवाई करेगा, या फिर अवैध भट्टा संचालक यू ही कानून को चुनौती देते रहेंगे?

चांदपुर में बहन से छेड़छाड़ का विरोध पड़ा भारी दबंगों ने भाई-बहन को पीटा, अपहरण और जान से मारने की धमकी

कमालपुर में सनसनी-4 नामजद सहित 5 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज, फोटो स्टेटस पर डाल रखी है, उठा ले जाएंगे कहकर दी धमकी

दैनिक बुलन्द मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम कमालपुर में एक युवती से छेड़छाड़, मारपीट और अपहरण की धमकी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित युवक को तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद समेत पांच अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित बोबी पुत्र विर सिंह प्रजापति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दिनांक 25 अप्रैल 2026 को शाम करीब 7 बजे उसकी बहन प्रीति उसके टैले पर सामान लेने आई थी। उसी दौरान कमल पुत्र समरपाल सिंह जाटव निवासी ग्राम खानपुर खादर, रवि पुत्र करन सिंह जाटव निवासी खानपुर खादर, शिवम पुत्र बिल्लन निवासी ग्राम नारनौर, ब्रिजू पुत्र लाल सिंह निवासी ग्राम नारनौर तथा उनके साथ 5 अज्ञात युवक मौके पर पहुंचे और

सामान लेने के बहाने रुक गए। बुरी नीयत से हाथ पकड़कर खींचने का आरोप तहरीर के अनुसार, आरोपियों ने अचानक युवती का हाथ पकड़कर उसे जबरन खींचने का प्रयास किया। जब पीड़ित और उसकी बहन ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। हड़ता ले जाएंगे कहकर दी खुली धमकी पीड़ित के मुताबिक, आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा कि उन्होंने युवती की फोटो सोशल मीडिया के स्टेटस पर डाल रखी है और एक दिन उसे जबरन उठा ले जाएंगे, हनुू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इस धमकी से परिवार में भय का माहौल व्याप्त हो गया है। बचाने आए रिश्तेदार को भी धमकाया घटना के दौरान शोर सुनकर पीड़ित का चचेरा भाई संदीप पुत्र खचेडू मौके पर पहुंचा, लेकिन आरोपियों ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी और मौके

से फरार हो गए। पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू थाना प्रभारी चांदपुर ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। क्षेत्र में आक्रोश, सुरक्षा पर सवाल घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। चांदपुर क्षेत्र में बढ़ती इस प्रकार की घटनाएं कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो ऐसे मामलों में और बढ़ोतरी की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

ग्राम प्रधान पर प्रशासन का दबाव गौशाला फोटो विवाद ने पकड़ा तूल, पूजा रानी ने किया बड़ा खुलासा

निरीक्षण करने गई थी, फोटो लेने का आरोप गलत - ग्राम प्रधान पूजा रानी का साफ इनकार, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

दैनिक बुलन्द मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद बिजनौर के थाना शिवाला कला क्षेत्र में स्थित ग्राम फीना की ग्राम प्रधान श्रीमती पूजा रानी पत्नी सत्यपाल सिंह इन दिनों एक नए विवाद के केंद्र में आ गई हैं। गौशाला से जुड़ी तस्वीरों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन पर लगातार दबाव बनाए जाने का आरोप सामने आया है, जिससे स्थानीय स्तर पर माहौल गर्म हो गया है। ग्राम प्रधान पूजा रानी ने इस पूरे मामले में स्पष्ट रूप से अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वे केवल ग्राम प्रधान होने के नाते गौशाला का निरीक्षण (भ्रमण) करने गई थीं। उन्होंने इस बात का सख्ती से खंडन किया कि गौशाला की जो तस्वीरें सामने आई हैं, वे उनके



द्वारा खींची गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रशासनिक अधिकारी बिना ठोस आधार के उन पर अनावश्यक दबाव बना रहे हैं, जो एक जनप्रतिनिधि की गरिमा के खिलाफ है। ग्राम प्रधान के अनुसार, हमें अपने कर्तव्यों का

यदि वास्तव में कोई अनियमितता है, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति पर दबाव बनाना उचित नहीं है। वहीं, ग्राम प्रधान पूजा रानी ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

अब बड़ा सवाल क्या गौशाला फोटो विवाद के पीछे कोई साजिश है, या फिर यह महज एक गलतफहमी क्या प्रशासन निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाएगा, या फिर यह मामला और तूल पकड़ेगा फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम पर क्षेत्रीय जनता और प्रशासन की नजरें टिकी हुई हैं।

चांदपुर में पुलिस पर सख्ती का डंडा सीओ ने थानों का औचक निरीक्षण कर परखी व्यवस्था

थाना चांदपुर व हीमपुर दीपा में रोल कॉल, जवानों से सीधा संवाद-अनुशासन, सतर्कता और जनता के विश्वास पर दिया विशेष जोर

दैनिक बुलन्द मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी (सीओ) चांदपुर ने थाना चांदपुर तथा थाना हीमपुर दीपा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस व्यवस्था की जमीनी हकीकत को परखते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान सीओ ने दोनों थानों पर तैनात रिफ्रूट आरक्षियों की गणना (रोल कॉल) लेकर उनकी उपस्थिति, अनुशासन और तत्परता का बारीकी से निरीक्षण किया। इस प्रक्रिया के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि सभी जवान अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग और सक्रिय हैं। जवानों से सीधा संवाद, जानी समस्याएं सीओ ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी ड्यूटी से संबंधित समस्याओं, चुनौतियों और सुझावों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जवानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उचित स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, उन्होंने जवानों के मनोबल को ऊंचा रखने पर विशेष जोर



दिया। अनुशासन और सतर्कता पर कड़ा संदेश निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर परिस्थिति में सतर्क रहकर जिम्मेदारी का निर्वहन करना अनिवार्य है। जनता के विश्वास को बतया सबसे बड़ी जिम्मेदारी सीओ ने कहा कि पुलिस की असली ताकत जनता का विश्वास है। इसलिए सभी पुलिसकर्मियों को अपने व्यवहार में संयम, संवेदनशीलता और



पेशेवर दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए, ताकि आमजन खुद को सुरक्षित महसूस कर सके और पुलिस पर भरोसा बना रहे। लगातार निरीक्षण के संकेत इस निरीक्षण के माध्यम से यह साफ संकेत दिया गया कि भविष्य में भी पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए ऐसे औचक निरीक्षण लगातार किए जाएंगे और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीओ चांदपुर का यह निरीक्षण न केवल पुलिस विभाग के लिए एक सख्त संदेश है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि जनपद में कानून व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है।

थाना धामपुर में रिफ्रूट आरक्षियों की गणना, क्षेत्राधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश



दैनिक बुलन्द मंजिल/उप जिला प्रभारी मोहम्मद फैजान धामपुर। सीओ अभय कुमार पांडेय द्वारा थाना धामपुर में रिफ्रूट आरक्षियों की गणना ली गई तथा उनसे संवाद किया गया। इस दौरान उन्होंने आरक्षियों से ड्यूटी के प्रति सजग रहने, अनुशासन बनाए रखने एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि कानून

व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए सभी रिफ्रूट आरक्षी पूरी सतर्कता और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने शांति-व्यवस्था बनाए रखने, आमजन से अच्छा व्यवहार करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर थाना प्रभारी मृदुल कुमार सहित थाना स्टाफ भी उपस्थित रहा।

महेश्वरी मंडल में महिलाओं ने निकाली जन आक्रोश पदयात्रा, विपक्ष का फूका पुतला

दैनिक बुलन्द मंजिल सलीम हैदर

कोतवाली देहात। नगीना विधानसभा क्षेत्र के महेश्वरी मंडल में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा में पारित न होने के विरोध में महिलाओं द्वारा जन आक्रोश पदयात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद की। पदयात्रा के दौरान भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान ने कहा कि महिला बिल का विरोध करने वाले दलों की सोच आज भी पिछड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का यह



संघर्ष अवश्य सफल होगा। मंडल अध्यक्ष सुभाष शर्मा ने कहा कि महिला बिल का विरोध कर विपक्ष ने अपना आसली चेहरा जनता के सामने ला दिया है। आक्रोश यात्रा ब्लॉक कोतवाली से शुरू होकर नजीबाबाद तिराहे पर पहुंची, जहां महिलाओं ने विपक्ष का पुतला दहन किया और जमकर नारेबाजी की।

इस दौरान महिलाओं ने एक सुर में अपने अधिकारों की मांग को लेकर आवाज उठाई। प्रदर्शन में चौधरी भूरे सिंह, रवि प्रजापति, रीना त्यागी, नेहा त्यागी, लक्ष्मी रानी, वेदलता, सोमवती देवी, रीना शर्मा, मोनिका, रोबिन चौधरी, डॉ. जितेंद्र सिंह, ऋषि त्यागी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

बढ़ती भीषण गर्मी में सतर्क रहें, हीटवेव से बचें, जनता से की अपील : डॉ. मनोज वर्मा

दैनिक बुलन्द मंजिल मोहम्मद फैजान

स्योहारा/बिजनौर। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए वर्मा मेटरिनटी नर्सिंग होम वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने आमजन से हीटवेव (लू) से बचाव के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दोपहर के समय तेज धूप में बाहर निकलने से बचें और अत्यधिक आवश्यकता होने पर सिर को ढककर ही घर से बाहर जाएं। डॉ. वर्मा ने बताया कि गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी होने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ, ओआरएस और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करते रहें। बच्चों, बुजुर्गों



में चिकित्सकीय परामर्श लें। डॉ. मनोज वर्मा ने लोगों से अपील की कि गर्मी के मौसम में ढीले और सूती कपड़े पहनें, अनावश्यक यात्रा करने से बचें तथा अपने आसपास के लोगों को भी हीटवेव से बचाव के प्रति जागरूक करें।

घर में घुसकर रुपयों का थैला चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलन्द मंजिल सलीम हैदर

कोतवाली देहात। पुलिस ने चोरी के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के दौलताबाद निवासी जितेंद्र सिंह ने थाने में तहरीर देकर गांव के ही दो युवकों पर घर में घुसकर रुपयों से भरा थैला चोरी करने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मंगलवार शाम पुलिस ने



कार्रवाई करते हुए आरोपी अभिषेक पुत्र सुरेंद्र तथा प्रशांत पुत्र अनिल को मारफतार मांग से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक

लाख उन्नीस हजार रुपये बरामद किए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

चांदपुर के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में व्यवस्थाएं मिलीं चाक-चौबंद, तहसील प्रशासन की सराहना—सटीक और पारदर्शी जनगणना के लिए निर्देश

जनगणना की तैयारी में बिजनौर प्रशासन अलर्ट एडीएम वान्या सिंह ने प्रशिक्षण केंद्र का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुलन्द मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद बिजनौर में आगामी जनगणना को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में एडीएम वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह ने चांदपुर स्थित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में संचालित जनगणना प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एडीएम वान्या सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन, व्यवस्थाओं, संसाधनों और कर्मचारियों की कार्यशैली का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर दिया विशेष जोर एडीएम ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसकी सफलता काफी हद



तक प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कर्मचारियों को पूरी गंभीरता, सटीकता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के लिए तैयार किया

जाए, ताकि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो। तहसील प्रशासन के कार्यों की सराहना निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं को व्यवस्थित और सुचारु पाए जाने पर एडीएम वान्या सिंह ने तहसील प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से प्रशिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है, वह प्रशंसनीय है और इसी तरह की तत्परता आगे भी बनाए रखनी चाहिए। अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशानिर्देश उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण के दौरान सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं और प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक जानकारी भी दी जाए, ताकि वे फील्ड में बेहतर तरीके से कार्य कर सकें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कार्य

में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की रही मौजूदगी इस अवसर पर एसडीएम चांदपुर नितिन तेवतिया, तहसीलदार आलोक पाटिल पर एडीएम वान्या सिंह ने तहसील प्रशासन की सराहना की। ओर से रजिस्ट्रार नरेश कुमार एवं डायरेक्टर नीलेन्द्र बादल भी निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे। एडीएम वान्या सिंह के इस निरीक्षण से यह स्पष्ट हो गया है कि जनपद बिजनौर में जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर और सजग है। व्यवस्थाओं की सुदृढ़ता और अधिकारियों की सक्रियता से यह उम्मीद जताई जा रही है कि जनगणना कार्य सफलतापूर्वक और निष्पक्ष रूप से संपन्न होगा।

दो युवतियों की शादी से हड़कंप, परिजनों की आपत्ति के बावजूद साथ रहने पर अड़ीं

दैनिक बुलन्द मंजिल मुरादाबाद। जनपद के बिलारी थाना क्षेत्र से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर हलचल मचा दी है। यहां की एक युवती ने बिहार निवासी युवती के साथ विवाह कर लिया और दोनों अब साथ रहने पर अडिग हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों युवतियां उत्तराखंड के रुद्रपुर स्थित एक धागा फैक्ट्री में काम के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आईं। धीरे-धीरे यह परिचय गहरे रिश्ते में बदल गया। परिवारों से बिना बताए दोनों ने राजस्थान के एक मंदिर में जाकर विवाह कर लिया। कुछ समय बाद बिलारी निवासी युवती के परिजनों को इसकी भनक लगी। उन्होंने समझदारी दिखाते हुए दोनों को भरोसे में लिया और गांव बुला लिया। हालांकि, गांव पहुंचने पर परिजनों ने उनके संबंध पर कड़ी



आपत्ति जताई। युवती के पिता की शिकायत पर पुलिस दोनों को थाने ले आई, जहां घंटों तक समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों अपने फैसले पर अडिग रहीं। इसी बीच, लगभग एक सप्ताह पूर्व बिलारी की युवती के घर में दूसरी बेटी की शादी थी। परिजनों ने फिर से दोनों को भरोसा दिलाया कि उन्हें उनके रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं है और सिर्फ पारिवारिक कार्यक्रम में

शामिल होने के लिए गांव आने का आग्रह किया। इस पर दोनों युवतियां शादी समारोह में शामिल होने पहुंच गईं। लेकिन गांव में उनके साथ रहने के तरीके को लेकर विवाद फिर गहराया। रविवार सुबह युवती के पिता ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया और बिहार की युवती पर तंत्र क्रिया तथा अपनी बेटी को बहलाने-फुसलाने के आरोप लगाते हुए शिकायत दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवतियों को थाने लाकर पूछताछ की। पूछताछ में बिहार निवासी युवती ने स्पष्ट किया कि शादी का प्रस्ताव बिलारी की युवती की ओर से ही आया था और उसी के कहने पर दोनों रुद्रपुर से राजस्थान जाकर विवाह बंधन में बंधी थीं। थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों युवतियों को समझाने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन वे साथ रहने के अपने निर्णय पर कायम रहीं। चूंकि दोनों बालिग हैं, इसलिए कानूनी रूप से उन्हें अपनी मर्जी से जीवन जीने का अधिकार है। ऐसे में पुलिस ने कोई कार्रवाई न करते हुए दोनों को स्वतंत्र रूप से जाने दिया। यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और पारिवारिक-सामाजिक मान्यताओं के बीच व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लेकर बहस छेड़ रहा है।

चांदपुर में मौत को न्योता बिजली तारों में फंसा पेड़ का भारी टुकड़ा, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

सड़क चौड़ीकरण में लापरवाही उजागर—देवी मंदिर के पास लटक रही लकड़ी से दहशत, स्थानीय लोगों में आक्रोश

दैनिक बुलन्द मंजिल नागेन्द्र राजपूत चांदपुर। चांदपुर क्षेत्र में चले सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान भारी लापरवाही सामने आई है। देवी मंदिर के पास बिजली के तारों में पेड़ का एक बड़ा भारी टुकड़ा फंसा हुआ है, जो कभी भी नीचे गिरकर गंभीर हादसे का कारण बन सकता है। स्थानीय लोगों और दुकानदारों के अनुसार, सड़क चौड़ीकरण के दौरान पेड़ों की कटाई तो कर दी गई, लेकिन कटे हुए हिस्सों को सुरक्षित तरीके से हटाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। परिणामस्वरूप, लकड़ी का यह बड़ा टुकड़ा बिजली के तारों में फंसकर हवा में लटक रहा है, जिससे हर समय दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। कभी भी गिर सकता है मौत का यह टुकड़ा प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह लकड़ी का टुकड़ा बेहद भारी है और यदि यह किसी गहरी या दुकानदार के ऊपर गिर गया, तो उसकी जान भी जा सकती है। खासकर इस क्षेत्र में लगातार लोगों का आना-जाना रहता है, जिससे खतरा और बढ़ गया है। बिजली



आपूर्ति भी हो सकती है बाधित विशेषज्ञों के अनुसार, तारों में फंसी यह लकड़ी न केवल जानलेवा साबित हो सकती है, बल्कि इससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हो सकती है और शांति सिकंदर जैसी घटनाएं भी हो सकती हैं। स्थानीय लोगों में आक्रोश घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि संबंधित विभाग की लापरवाही के कारण आम जनता की जान जोखिम में डाली जा रही है। कई बार शिकायत के बावजूद अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है। प्रशासन से त्वरित

कार्रवाई की मांग स्थानीय लोगों ने प्रशासन और विद्युत विभाग से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से इस लकड़ी के टुकड़े को हटाया जाए और सड़क चौड़ीकरण कार्य में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही से बचा जा सके। चांदपुर में सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान बरती जा रही लापरवाही एक बड़े हादसे को न्योता दे रही है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह लटकता हुआ खतरा किसी भी समय जानलेवा साबित हो सकता है।

हाउस टैक्स की बढ़ी दरें हुई वापस व्यापारियों में खुशी की लहर सेवेन सीज होटल में उ प्र उद्योग व्यापार मंडल की हुई बैठक

दैनिक बुलन्द मंजिल/विनोद गुप्ता शाहबाद रामपुर। मंगलवार को नगर के बिलारी रोड स्थित सेवेन सीज होटल में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल नगर शाहबाद की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें नगर निकायों द्वारा की गई टैक्स में की गई वृद्धि को वापस ले लिए जाने पर प्रसन्नता जाहिर की गई। आपको बता दें कि वर्तमान में सभी नगर निगमों, नगरपालिकाओं एवं नगर पंचायतों द्वारा मनमानी रूप से हाउस टैक्स में वृद्धि कर दी गई थी। जिसका उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा कड़ा विरोध किया गया था। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कच्छल के अनुरोध पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां हुआ हाउस टैक्स वापस ले लिया और कहा कि जिन्होंने बढ़ा हुआ टैक्स पूर्व में जमा कर दिया है तो वह विभाग से वापस ले लें। बैठक में मौजूद सभी व्यापारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कच्छल का हार्दिक धन्यवाद किया क्योंकि उन्होंने जनहित की इस समस्या का समाधान किया है। बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश महामंत्री सुरेश बाबू गुप्ता, नगर अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष अमित चंद्रवंशी, मंत्री गोपाल गुप्ता एवं अनुरावत, नगर महामंत्री गोरेखा एवं नीरज गुप्ता, कोषाध्यक्ष गुलवकार शम्सी उर्फ मोना, घनश्याम रस्तोगी, उपकार, अभय गुप्ता, दीपू चौहान, मुकेश रस्तोगी, दिनेश रस्तोगी आदि रहे।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गौशालाओं का किया निरीक्षण, गौवंश संरक्षण को लेकर दिए सख्त निर्देश



दैनिक बुलन्द मंजिल मोहम्मद फ़ैजान बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंगलवार को ग्राम मुकीमपुर धर्मती तथा नंगला महेश्वरी स्थित गौशालाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशालाओं में रह रहे गौवंश की देखभाल, साफ-सफाई, चारे-पानी तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौवंश के लिए पर्याप्त शेड की

व्यवस्था हर समय सुनिश्चित रहे, जिससे गर्मी एवं बारिश के मौसम में पशुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने, हरे चारे एवं भूसे का पर्याप्त भंडारण रखने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशालाओं में सुरक्षा एवं निसरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष जोर देते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और

किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गौवंश संरक्षण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप समय-समय पर पूर्ण कराई जाएं। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

बदायूं में गर्भपात के बाद महिला की मौत से मचा हड़कंप

परिजनों ने निजी मौर्य हेल्थ सेंटर पर लापरवाही का लगाया गंभीर आरोप

दैनिक बुलन्द मंजिल /अजयपाल यादव बदायूं बदायूं। जिले के इस्लामनगर थाना क्षेत्र में गर्भपात के बाद एक महिला की मौत हो गई, परिजनों ने एक निजी हेल्थ सेंटर पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया और पैसे के लालच में अधूरा इलाज करने का आरोप लगाया है। इसके बाद जमकर हंगामा हो गया। यह घटना इस्लामनगर के टंकी मोहल्ला स्थित मौर्य हेल्थ केयर सेंटर में हुई। नगला बारह गांव की निवासी ललिता, पत्नी विकास का यहां गर्भपात कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर इरशाद ने अल्ट्रासाउंड में बच्चों को खराब बताकर गर्भपात की सलाह दी थी। इसके लिए कथित तौर पर 60



हजार रुपये का सोदा तय हुआ था। परिजनों का आरोप है कि पैसे लेने के बाद गर्भपात की प्रक्रिया ठीक से पूरी नहीं की गई। इसके कारण महिला की हालत बिगड़ गई और उसी दौरान उसकी मौत हो गई। उनका यह भी कहना है कि हालत बिगड़ने के बावजूद ललिता को किसी अन्य अस्पताल में रेफर नहीं किया गया और उसे समय पर उचित इलाज नहीं मिला। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि

ललिता की हालत बिगड़ते ही डॉक्टर इरशाद और नर्स इशरत मौके से फरार हो गए। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने हेल्थ सेंटर के बाहर जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पहुंची और स्थिति को संभाला। थाना प्रभारी उदयवीर सिंह ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हत्या के प्रयास में दोषी को 10 वर्ष की सजा, पुलिस की प्रभावी पैरवी लाई रंग।

दैनिक बुलन्द मंजिल /संवाददाता रामोतार शर्मा सम्भल। ऑपरेशन कन्विकशन' के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने हत्या के प्रयास के एक आरोपी को कठोर दंड सुनाया है। एडीजे-1 बदायूं की अदालत ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। क्या है मामला थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम गुरैठा निवासी श्रीपाल पुत्र रामकुंवर के विरुद्ध वर्ष 2016 में धारा 307 हत्या का प्रयास के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विकशन' के तहत सम्भल पुलिस ने इस मामले में गुणवत्तापूर्ण विवेचना की और न्यायालय में मजबूती से साक्ष्य प्रस्तुत किए। मंगलवार को माननीय न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अभियुक्त को दोषी पाया और सजा मुकर्रर की। पुलिस टीम को इस सफलता में एडीजीसी श्री संजीव कुमार, कोर्ट पैरोकार मुख्य आरक्षी अमित कुमार थाना बहजोई और कोर्ट मोहरीर आरक्षी ओमवीर सिंह का विशेष योगदान रहा। सम्भल पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

क्रिकेट टूर्नामेंट में भटपुरा की टीम विजयी

दैनिक बुलन्द मंजिल /बीरेंद्र सिंह/सिंहपुरस्थानी विकास खंड असमोली के गांव नंदपुर बीटा में काहलपुरा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि ने मौजूद खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि ऐसे टूर्नामेंट कराने से ग्रामीण आंचल से प्रतिभाएं निकलकर आती हैं और फिर विश्व पटल पर पहुंचती हैं। जिला पंचायत सदस्य नकुल ओलख ने बेटिंग करके खिलाड़ियों के जोश को दोगुना किया। आयोजक समिति के सदस्य अमित चौधरी ने बताया कि पहले दिन भटपुरा और भदौरा की टीमों के बीच मैच हुआ जिसमें पहले



बेटिंग करते हुए भटपुरा की टीम ने 195 रन बनाए, जबकि भदौरा की टीम 85 रन पर सिमट गई और भटपुरा की टीम ने 110 रनो से मैच अपने नाम कर लिया। इस दौरान ग्राम प्रधान रवि चौधरी, सक्षम चौधरी, प्रिंस काहल, निगम राठौर सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

मेधावी छात्रों का सम्मान : एनएसबीडी इंटर कॉलेज मैनाढेर में टॉपर्स को मिले प्रशस्ति पत्र

दैनिक बुलन्द मंजिल मैनाढेर। कुंदरकी ब्लॉक क्षेत्र के एनएसबीडी इंटर कॉलेज मैनाढेर में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल में टॉप स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने मेधावी विद्यार्थियों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि छात्र-छात्राओं की सफलता अन्धा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और इससे विद्यालय का नाम भी गौरवान्वित होता है। सम्मान समारोह के दौरान अभिभावकों में भी खुशी का



माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी छात्रों को निरंतर मेहनत करने और आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रिकू सिंह थाना प्रभारी किशनपाल सिंह

चेयरमैन प्रतिनिधि मंगल सिंह सैनी प्रवीण कुमार सुरेंद्र सिंह गोविंद मुकेश कुमार गौरव शर्मा अशोक कुमार भूपेंद्र सिंह संजना उपासना उज्जमा फिरदौस प्रियंका आशा रीना इत्यादि लोग मौजूद रहे

जंगलों की कटाई, जलस्रोतों का सूखना और प्रदूषण से बिगड़ा संतुलन—तापमान में लगातार बढ़ोतरी ने बढ़ाई चिंता

बिजनौर में बढ़ती गर्मी बनी चेतावनी विकास की आड़ में प्रकृति का विनाश, आम जनता पर संकट

दैनिक बुलन्द मंजिल नागेन्द्र राजपूत चांदपुर। लगातार बढ़ता तापमान अब केवल मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि पर्यावरणीय असंतुलन का गंभीर संकेत बनता जा रहा है। क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास कार्यों के बीच प्राकृतिक संसाधनों का लगातार क्षरण हो रहा है, जिसका सीधा असर तापमान और जनजीवन पर दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जलस्रोतों—जैसे तालाब, कुएं और नहरों—का समाप्त होना, तथा बढ़ते प्रदूषण ने वातावरण

के संतुलन को बिगाड़ दिया है। परिणामस्वरूप, गर्मी का प्रकोप हर साल पहले से अधिक बढ़ता जा रहा है। जंगल कटे, तो बढ़ी तपिश क्षेत्र में विकास परियोजनाओं और निर्माण कार्यों के चलते बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हो रही है। पेड़ जहां वातावरण को ठंडा रखने और ऑक्सीजन देने का कार्य करते हैं, वहीं उनकी कमी से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। जलस्रोत खत्म, बड़ा जल संकट बिजनौर के कई इलाकों में पारंपरिक जलस्रोत या तो सूख चुके हैं या अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं। इससे जमीन की



नमी कम हो रही है और गर्मी का असर और तीव्र होता जा रहा है। आने वाले समय में जल संकट और गहराने की आशंका जताई जा रही है। प्रदूषण ने

बिगाड़ी हवा और मिट्टी औद्योगिक इकाइयों, वाहनों और निर्माण कार्यों से निकलने वाला धुआं और धूल हवा की गुणवत्ता को खराब कर रहे हैं। साथ ही, मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित हो रही है, जिससे पर्यावरण का संतुलन और बिगड़ रहा है। जनता पर पड़ रहा सीधा असर स्थानीय लोगों का कहना है कि बढ़ती गर्मी से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। हीट स्ट्रोक, पानी की कमी और प्रदूषण से जुड़ी बीमारियां अब आम होती जा रही हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि यही हवामौसम है, तो इसकी कमीत आधिक्य कौन चुकाएगा समय रहते कौन उठाने की जरूरत पर्यावरण विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से अपील

की है कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर रोक लगाई जाए, बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जाएं, जलस्रोतों का संरक्षण किया जाए और प्रदूषण फैलाने वाले तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। बिजनौर में बढ़ता तापमान एक गंभीर चेतावनी है कि यदि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ नहीं रोकी गई, तो आने वाले समय में हालात और भयावह हो सकते हैं। हवामौसम और हवामौसम संरक्षण के बीच संतुलन बनाना अब समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर में मंगलवार परेड का किया निरीक्षण



दैनिक बुलन्द मंजिल रामपुर। मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक, रामपुर द्वारा मंगलवार की परेड की सलामी लेकर रिजर्व पुलिस लाइन, रामपुर का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान परेड में मौजूद कर्मचारीगणों का टर्नआउट आदि चैक कर रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में स्थित भोजनालय, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैन्टीन, मनोरंजन कक्ष, म्यूजियम, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा की व्यवस्थाओं आदि का निरीक्षण कर पुलिस लाइन परिसर की साफ-सफाई आदि को चैक कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।

India in 2047 to be 'materially prosperous, spiritually leading world': Dattatreya Hosabale

RSS general secretary Dattatreya Hosabale has said that India's vision for 2047 is one of both material prosperity and spiritual leadership on the global stage. In an interview, marking 100 years of the RSS, he said the organisation believes India is steadily moving towards a position where it can combine economic strength with its civilisational values to guide the world. Here is the full text of the interview;

Question: RSS is observing its 100 years since its foundation. How do you see its growth in the last 100 years?

Dattatreya Hosabale: RSS has completed its 100 years last Vijay Deshmi day. And in these 100 years, RSS has made its presence felt in every part and local corner of the country. And it has made an impact on the socio-political and cultural life of Bharat. Of course, it was not an easy journey. It had to face many challenges and also suppressions from the so-called opponents but however, the RSS has tide over the difficult times. Because of the support of the society and the hard work of the swayamsevaks and the impact that RSS has had is the Hindu nationalism that is pride in our nation and culture and civilization values. Second, they are relevant even today and in the light of those things, we should carve a national life for the benefit of one Indians and second for the humanity.

So this idea has definitely got the support and the impact that RSS has made is now that the RSS has

reached, people say, the central stage of national life. So, it is not just in politics, but in other fields such as culture, industry, education, rural development, many other such areas. So, RSS swayamsevaks have definitely participated in two important areas apart from the sewa activity that they have taken up. One is during the natural calamities the RSS has always been present in providing the immediate relief and also rehabilitation work. Second, the internal security of the country. The RSS swayamsevaks are always alert about the security issues for social harmony and India's security within. So this has been the major role that RSS has played.

Question: The Swayamsevaks of RSS or its wing are in political power, not only in the center but also in a number of states as well. How do you see that political empowerment?

Dattatreya Hosabale: First a few people felt pride about our culture and civilization. Another thing is the swayamsevaks they can deliver better for the welfare of society and people. This is what they have experienced. That's how continuously, for the third time in the central government the swayamsevaks leadership of the Prime Minister, has been there.

So, it is at the state level also, because one is the perception about politics is not self-aggrandizement or only about vote bank politics or in the name of secularism appeasement.

Question: How do you see this growth of RSS overseas, outside India?

Dattatreya Hosabale: RSS works within the boundaries of India, but the swayamsevaks of RSS who are in different countries in the world they

Question: We all Indians believe in Vasudhaiva Kutumbakam: the entire world is a family. In that context, in what way do you think RSS can play a role in global stability and prosperity?

Dattatreya Hosabale: This message of Vasudhaiva Kutumbakam that the world is one family, is ingrained in every swayamsevak. Wherever he goes, he sees they are all the brothers and sisters of the same family. So that is not just a slogan, but it is practiced in their daily behavior and in their social activity. And the same thing with the government during the G20 conference: one earth, one family and one future. So this message is not only well taken but also being practiced by the Swayamsevaks first and also generally in the Hindu society.



have also tried to see that locally the Hindu community is organized and they not only help the people back in their motherland, India, but they should also serve the local people where they are living, where they are earning their bread.

So that's why the swayamsevaks always have made it a point that their allegiance to the nation where they are living, their loyalty to that country and also contributing for the betterment and welfare of that society and country is the first thing. And secondly, because that is their Karma Bhoomi. And Janma Bhoomi or Prerna Bhoomi is Bharat. So that connection because of the cultural affinity and religion and other things. So they are also serving the cause of Bharat being miles away from the motherland.

Question: What is the RSS' world vision?

Dattatreya Hosabale: Today's world is passing through very critical times. One is the idea of hegemony, which still persists in many parts of our world. That is where the political one-

upmanship is experienced. So that has to be addressed. Secondly, for the last one decade, we may not be hearing it, but the violence in the name of religion, religious terrorism, these things are a threat to humanity. Third, the environmental issues, ecological issues because the science and technology growth and advancement is welcome, but not at the cost of our environmental balance. So that's why this is also another area where we see that these challenges are there.

And the fourth, families are breaking. Because people are having this consumerism and also greed.

Question: India was under foreign rule for around 700, more than 700 years. That has a huge impact on the Indian psyche or Hindu psyche. Have we overcome that or that psychological impact or is it still there?

Dattatreya Hosabale: See, India had two things. One is struggle and another is the foreign rule. Although it is nearly 80 years or more after India's

emancipation politically, but in some quarters, in some aspects, the colonized mind still works. Decolonization has to take place. The political freedom should open the doors for other freedoms, cultural and otherwise. So somewhere it's still not achieved fully.

Question: Can you give us some examples of that?

Dattatreya Hosabale: See, even today people think that the Aryan invasion was there. It was taught until recently in textbooks about the Aryan invasion, though it was proven that there was no such Aryan invasion in India. Secondly, many times, people are not fully aware of India's scientific heritage. So those things are clear. Third, about our societies, caste bills are being pushed in countries like the US and the UK. So this is the wrong narrative. India has tried to overcome that and still it is being said in other countries.

Question: In its first 100 years RSS has achieved a lot. What do you see RSS' goals as for the next 100 years?

Dattatreya Hosabale: I cannot say what should happen in the next 100 years. The thing is, any time, whether it's 100 years or 1000 years, India will definitely thrive, flourish, and serve humanity. So to make Bharat capable of doing this, a self-confident, united, harmonious nation that serves the cause of humanity and uplifts humanity, Vivekananda had said, "Up, India." Conquer the world with your power of spirituality. So RSS wants to prepare society for that.

Where Waste Finds Purpose: Lessons from NE India

High in the hills and valleys of Northeast India, where rivers carve their own stories and forests breathe with ancient rhythm, a quiet revolution is unfolding. Here, change doesn't arrive with grand announcements. Instead, it moves in the soft clatter of segregated bins, the hum of village-run recycling units, and the determined footsteps of citizens who refuse to let their lands drown in waste. Across the region, from bustling market towns to remote hamlets, communities are rewriting the narrative of waste management with startling resolve. What was once an overwhelming challenge is now becoming a canvas for innovation: plastic transformed, compost pits doubling as livelihood sources, groups pioneering recycling networks, and municipalities redefining what a clean city can truly look like.

Whether reclaiming decades-old dumpsites, restoring rivers, reinventing festivals, or turning citizens into custodians of public spaces, Northeast India reflects a deeper shift: waste is no longer being pushed out of sight, but responsibly brought into systems that value reuse, recovery, and respect for nature. Among many inspiring efforts across the region, some notable stories act as a testament to the Northeast's ability to turn obstacles into opportunities and waste into a catalyst for positive change.

North Lakhimpur Leads Assam's



Urban Green Revolution

North Lakhimpur in Assam has become a standout example of scientific waste management under Swachh Bharat Mission-Urban 2.0, turning decades of environmental neglect into a model of urban renewal. The North Lakhimpur Municipal Board cleared 79,000 metric tonnes (MT) of legacy waste from the Chandmari dumpsite. The intervention freed 16 bighas of land, with another 10 bighas now set to be transformed into an Urban Forest and Urban Retreat Zone. The revival of the nearby Sumdiri River has further restored local biodiversity, bringing back birds, fish, and aquatic life.

To strengthen daily waste management, the city now processes its 36-42 ton per day (TPD) of municipal waste through modern systems. Japisajia, Assam's first integrated hub combining a Material Recovery Facility (MRF) and a Waste-to-Compost (WTC) Plant handles recycling, segregation, and composting in one place. The MRF operates with a 100 TPD capacity across 7,000 sq. ft, feeding recyclables back into the circular economy, while

the WTC unit converts 25 TPD of wet waste into organic compost for local farmers. Together, legacy waste clearance, integrated processing facilities, and ecological restoration have made "Swachh Lakhimpur" a benchmark for sustainable urban development in Assam. Whether reclaiming decades-old dumpsites, restoring rivers, reinventing festivals, or turning citizens into custodians of public spaces, Northeast India reflects a deeper shift: waste is no longer being pushed out of sight, but responsibly brought into systems that value reuse, recovery, and respect for nature. Among many inspiring efforts across the region, some notable stories act as a testament to the Northeast's ability to turn obstacles into opportunities and waste into a catalyst for positive change. North Lakhimpur Leads Assam's Urban Green Revolution North Lakhimpur in Assam has become a standout example of scientific waste management under Swachh Bharat Mission-Urban 2.0, turning decades of environmental neglect into a model of urban renewal. The North Lakhimpur Municipal Board cleared 79,000 metric tonnes (MT) of legacy waste from the Chandmari dumpsite. The intervention freed 16 bighas of land, with another 10 bighas now set to be transformed into an Urban Forest and Urban Retreat Zone. The revival of the nearby Sumdiri River has further restored local biodiversity, bringing back birds, fish, and aquatic life.

A Beacon of Hope

In the heart of rural India lies its true essence—its people, their resilience and their aspirations for a brighter tomorrow. Yet for years, millions of rural families faced the common challenge of living without legal property documents, leaving them vulnerable to land disputes, insecure livelihoods, and limited opportunities for growth. For these communities, owning land was more than just a matter of ownership; it was a matter of hope, stability, and a future they could call their own. The absence of proper land records meant multiple trips to government offices, often leading to corruption and delay. But despite these hardships, the hope for a better future never faded.

Then, SVAMITVA Scheme emerged as a ray of hope, set to transform the lives of millions. On the day Prime Minister Modi distributed 65 lakh SVAMITVA property cards, the air was filled with excitement.

As people from villages across India shared their stories of struggle and perseverance, it became clear that this scheme was not just about land—it was about dignity, empowerment, and opportunity. This initiative was a key step towards realizing the government's vision of a "Viksit Bharat", where the empowerment of women, farmers, and rural citizens was central to every major scheme.

One of the many stories that



emerged from the SVAMITVA Scheme was that of Thakor Bhumiben from Pratiya Village in Gujarat. For years, she lived in constant uncertainty, struggling with livelihood insecurity and the lack of legal ownership of the land she worked on. The SVAMITVA property card she received not only granted her legal ownership but also opened doors to loans, financial independence, and security for her family.

The newfound empowerment gave Smt. Bhumiben hope, allowing her to envision a future where her family could thrive without the constant fear of losing their land. Vinod Kumar from Bheemawala Village, Dehradun, had long struggled with property disputes and unclear ownership records. Through the SVAMITVA Scheme, he received legal proof of ownership, which not only secured a favorable court judgment but also brought much-needed relief and security to his family. His story is just one of many that showcase how SVAMITVA is transforming rural India. As the scheme plays a key role in reducing land disputes and enhancing public space management, Vinod's relief serves as a motivation for many.

Where the Land Meets the Sea

As the morning tide gently laps against the shores of Navghar, Vandana Patil steps onto the damp earth of her village's coastline. She recalls a time when the sea was generous, offering abundant crab and fish catch. But over the years, that generosity faded. "Earlier, we used to see unpredictable crab and fish catch and had to rely on other sources of livelihoods," she says, her voice carrying the weight of years spent worrying about an uncertain future. The culprit was clear: the unchecked destruction of mangroves. The towering green guardians of the coastline had been silently disappearing,

their roots no longer anchoring the land, their dense canopies no longer sheltering marine life. With every tree lost, so too was a piece of the community's livelihood. Yet, many in Navghar remained unaware of the deep connection between the mangroves and their survival. Change arrived in the form of a far-reaching initiative. The Government of India, in collaboration with the Green Climate Fund and UNDP, launched a project to enhance climate resilience in India's coastal communities. This initiative, operational across three coastal states—Andhra Pradesh, Maharashtra, and Odisha focused on conserving and restoring



marine ecosystems, including mangroves, while creating climate-resilient livelihoods. Navghar became a symbol of

this transformation. In 2021, the project formed a Mangrove Co-Management Committee, bringing together village

members, the Gram Panchayat, and women's Self-Help Groups (SHGs). Their mission was twofold: protect the mangroves and revive local livelihoods. Women, often the most affected by economic instability, were placed at the forefront.

Through structured training, they learned sustainable crab farming techniques, creating new livelihood groups like Healthy Harvest and Wild Crab Aqua Farm. These groups now farm mud crabs over two acres of coastal land while ensuring the protection of mangroves from illegal cutting. The impact was immediate.

"Through our campaigns and drives, we have raised awareness about mangroves and their

link to healthy fish catch and livelihoods," explains Rohan Patil, president of the committee. "People no longer see them as just trees—they see them as protectors."

By 2023, the once-barren coastline had transformed. The mangroves stood tall, shielding the land from erosion and storms, while the waters teemed with life again. The benefits extended beyond the environment. "The project helped us a lot," Vandana shares. "Earlier, women worked only seasonally. Now, we have employment throughout the year. Besides, earlier we had to travel far and wide for crab farming; now, we can do it locally."

PREITY ZINTA REJECTS 'TROPHY' TAG, PUSHES FOR EQUALITY



Actress Preity Zinta, who is currently riding high on the success of her team, the Punjab Kings' success at the IPL, has spoken about how she doesn't want to be tagged as a "trophy".

Preity on Monday treated her fans and followers on X, formerly called Twitter, for a question and answer session titled "#pzchat".

A user asked Preity if she had seen the "banger" tweet, which read: "There's a reason why she hasn't won a trophy cuz she is the trophy."

To which, Preity sweetly replied: "Thank you that's very sweet, but honestly speaking, no woman wants to be a trophy. Trophy's are owned women are not! Trophies are kept in glass cupboards and a women's place is in your life & in your heart Filmy question ke live filmy answer for you Ting!"

Another user then asked her: "What's one thing that stood out about your characters to say yes to signing Vibe & Lahore 1947? #pzchat."

Responding to the question, Preity said: "I always wanted to do a period film, that's why

I signed Lahore 1947, and of course, it's with my one of my favourite directors, Raj Kumar Santoshi and Sunny (Deol) is always a pleasure to work with."

The actress shared that the story is of love during the times of division.

"It's a story of love in times of division & hate, which I liked," said Preity.

Talking about her upcoming film "Vibe", Preity said: "Vibe is just a really funny light hearted film & was great to do after the intensity of Lahore 1947."

Both the films, the actress in the chat revealed will be coming out this year.

A netizen asked the actress about her experience with Shreyas Iyer and how is the interaction with him? The question further read: "Can you tell a few words about our 'Sarpanch', want to listen from you." Preity heaped praise on the cricketer and said: "He is an inspiring & strategic leader that leads by example. Intelligent, calm, inclusive & accessible to the whole team. On a fun note he is also incredible with kids that's why my kids lovingly call him Shreyas Bhaiya and adore him."



Adah Sharma praises Manoj Bajpayee, says she is glad to share screen space

Actress Adah Sharma, who will be seen sharing screen space with Manoj Bajpayee in the upcoming film "Governor", has shared that she is very happy to work with him and tagged the National Award-winning actor as "awesome."

Talking about working with Manoj for the very first time, Adah told IANS: "He is the face of the film. He plays the governor in Governor, and he is awesome."

"I'm very happy to share screen space with him. We have an excellent director who is also a fab actor, Chinmay Mandekar. There's a nice surprise to my character also, and it's something I haven't done before," said Adah without revealing many details about her character from the upcoming movie. It was on Manoj's birthday on April 23 when the film's poster was revealed. Filmmaker Vipul Amrutlal Shah has unveiled the poster on

Without revealing much, the first poster of Governor: The Silent Saviour, directed by Chinmay Mandekar, features Manoj from the back, walking down a corridor with a suitcase, alongside the tagline, "If I fail... India fails," hinting at a high-octane legal drama.

In another poster, a green chair is highlighted with the taglines "India is on the verge of bankruptcy" and "Yeh sirf

kursi nahi... zimmedaari hai," which point to an intense narrative centered on the nation.

Governor: The Silent Saviour is presented by Sunshine Pictures. Produced by Vipul Amrutlal Shah and directed by Chinmay Mandekar, the film is co-produced by Aashin A. Shah and written by Suwendu Bhattacharyjee, Saurabh Bharat, Ravi Asrani, and Vipul Amrutlal Shah.

The 33-year-old actress stepped into the world of glitz and glamour in 2008 with 1920, a horror movie. She was then seen in films such as Hasee Toh Phasee, Commando, Heart Attack, S/O Satyamurthy and Kshanam. She shot to major fame with her work in the 2023 film The Kerala Story.



Ajay Devgn shares glimpse from 'Golmaal 5' Ooty shoot, Rohit Shetty celebrates 20 years of positivity

Bollywood star Ajay Devgn has revealed that the next shoot schedule for "Golmaal 5" has commenced and posted a fun video montage from Ooty featuring Arshad Warsi, Tusshar Kapoor, Sharman Joshi, Shreyas Talpade and Kunal Kemmu.

Posting a picture featuring him alongside Arshad, Tusshar, Sharman, Shreyas and Kunal, the actors are seen posing with the iconic five-seater motorbike, which has been a part of the film franchise.

"Iss baar sawaari badi hai, aur entertainment usse bhi zyada bada hoga #Golmaal5 Ooty schedule with the boys @itsrohitshetty @rohishettypicturez," Ajay wrote as the caption on Instagram.



Meanwhile, filmmaker Rohit Shetty shared the same video montage and said that the cast and crew have been riding through positive vibes since 2006, when the first installment of the franchise hit the silver screen.

"Riding through positive vibes since 20 years Golmaal 5 | Ooty Schedule," Rohit wrote. "first installment of the Golmaal film series, it stars Ajay, Tusshar, Arshad and Sharman along with Rimi Sen and Paresh Rawal. It is reportedly based on Harsh

Shivsharan's Marathi play Ghar Ghar, which also inspired Vora's Gujarati play Aflaton, in turn one of the inspirations for the film. The film was followed by 4 sequels such as Golmaal Returns, which released in 2008, 2010's Golmaal 3 and Golmaal Again, which hit the silver screen in 2017. All the films starred Ajay, Arshad, Tusshar, Sanjay Mishra, Vrajesh Hirjee and Mukesh Tiwari, with Shreyas Talpade appearing in three, Kunal Khemu and Johnny Lever in two.

Actor Akshay Kumar will be joining the fifth installment. In the announcement video, Akshay was seen donning a bold look for his next. Teasing him, Ajay jokingly remarked, "Koi franchise nahi chhodta hai ye (He does not leave any franchise)". Wishing Rohit on his birthday, Akshay expressed: "Happy Birthday @itsrohitshetty...On your birthday, the madness just got bigger and louder. Excited to be joining this crazy family of Golmaal 5! Let the chaos begin."

Jacqueline Fernandez recalls Akshay Kumar's 'Housefull' prank that left her shaken

The upcoming episode of the quiz reality show Wheels of Fortune, will see Bollywood actress Jacqueline Fernandez recalling the time when Bollywood superstar Akshay Kumar left her traumatised. The actress elaborated on a prank played on her by Akshay Kumar from the early days of her career in Bollywood.

During the game show, host and superstar Akshay asked Jacqueline, "Aapko 17 saal ho gaye hain industry main, kabhi aapse kisine galat baat ki hai?" To everyone's surprise, Jacqueline laughed and replied, "Yes, bahut!"

A curious Akshay asked her to elaborate, to which Jacqueline recalled an incident from her first item song, "Mera pehla item song 'Dhanno' tha in 'Housefull', aur us, waqt Akshay ne mere saath bahut ganda prank kiya tha. It actually gave me trauma!"

She further explained, "Set par kaafi security thi bodyguards aur log khade the. Mujhe laga police hai, toh maine casually

pooch liya ki itni security kyun hai. Thodi der baad Akshay mere paas aake bolte hain, 'Jacqueline, tumne kuch galat kiya hai kya? Police tumhare liye aayi hain. Song ke baad tumhe station le jayenge.'

She further added, "Main poore song ke dauraan itni darr gayi thi, mujhe samajh hi nahi aa raha tha maine aisa kya kiya hain." Realising the impact of his prank, Akshay apologised and said, "Agar maine aisa kiya tha, toh main sorry bolta hoon."

He further added, "Insaan ko haste-khelte rehna chahiye, thodi masti karte rehna chahiye. Prank bhi karne chahiye, but sirf tab tak jab tak kisi ko dukh na ho. Agar kisi ko dukh nahi hua, toh masti chalte rehni chahiye."



Bhumi Pednekar says she has 'jelly arms' after intense gym workout

Bollywood actress Bhumi Pednekar showcased her fitness routine and said that she now has "jelly arms" after an intense workout at the gym.

Bhumi took to Instagram, where she shared a video of herself doing some weighted arms exercise, which included rowing, double bicep curls, lateral dumbbell raises, plank drag-throughs and skipping.

She wrote in the caption: "I have jelly arms right now. Trust me, this might look easy but it's nottttt. Try it! No breaks 5 rounds of 12 reps each."

The 36-year-old actress was last seen in "Mere Husband Ki Biwi", a romantic comedy film written and directed by Mudassar Aziz. The film stars Arjun Kapoor and Rakul Preet Singh. Bhumi started her career as an assistant casting director for six years. She then made her film debut as an overweight



bride in the romantic comedy Dum Laga Ke Haisha in 2015.

Through her journey in Hindi cinema, Bhumi has supported meaningful films such as Toilet: Ek Prem Katha, Shubh Mangal Saavdhan, Bala, and Pati Patni Aur Woh.

She was lauded for her performances as the septuagenarian sharpshooter Chandro Tomar in Saand Ki Aankh and a closeted lesbian in Badhaai Do. Bhumi was then seen in the social dramas Bed, Afwaah and Bhakshak.

संक्षिप्त समाचार

रुपया 11 पैसे टूटकर 94.27 प्रति डॉलर पर खुला
मुंबई। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 94.27 प्रति डॉलर पर



पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर की निरंतर मांग और सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान से घरेलू मुद्रा दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 94.25 पर खुला। फिर टूटकर शुरुआती कारोबार में 94.27 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 94.16 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.44 पर रहा।

दिलीप कुमार ने सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) के वरिष्ठ अधिकारी दिलीप कुमार ने सोमवार को भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के मुख्य सतर्कता अधिकारी

(सीवीओ) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उनके पास ट्रेन संचालन, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव और मानव संसाधन प्रबंधन में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें पूर्व मध्य रेलवे के अपर मंडल रेल प्रबंधक और बिहार के नालंदा में हरनीत के मुख्य कारखाना प्रबंधक का पद शामिल है।

[कारोबार] बढ़त के साथ बंद हुए शेयर बाजार, चौतरफा लिवाली से निवेशकों में बढ़ा विश्वास

सन फार्मा का शेयर 7 प्रतिशत चढ़ा

मुंबई
घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को फार्मा, आईटी और ऑटो सेक्टरों में अच्छी लिवाली देखी गयी और इस बीच सन फार्मा का शेयर सात प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 639.42 अंक (0.83 प्रतिशत) चढ़कर 77,303.63 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 194.75 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी में 24,092.70 अंक पर रहा। इससे पहले लगातार तीन दिन दोनों प्रमुख सूचकांक टूटें थे। चौतरफा लिवाली के बीच निवेशकों ने मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा विश्वास दिखाया। निफ्टी-मिडकैप-50 सूचकांक 1.52 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.90 प्रतिशत चढ़ा।

फार्मा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों से सूचकांक ढाई फीसदी से ज्यादा मजबूत हुए। आईटी, स्वास्थ्य, रियल्टी और मीडिया समूहों के सूचकांक दो से ढाई प्रतिशत तक चढ़े। ऑटो और धातु सेक्टरों में भी अच्छी तेजी रही।



मजबूत तिमाही नतीजों से बाजार में बढ़ी रौनक

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, अमेरिका-ईरान वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीद और चौथी तिमाही के शानदार कॉर्पोरेट नतीजों ने शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा काफी बढ़ाया है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतें अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हैं और बाजार होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की संभावनाओं पर नजर बनाए हुए है। वहीं, कमजोर वित्तीय नतीजों के बावजूद आईटी सेक्टर अपने आकर्षक वैल्युएशन और लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से निवेशकों को लगातार लुभा रहा है।

एनएसई में आज 3,447 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 2,549 के शेयर हरे निशान में और 800 के लाल निशान में रहे। अन्य 98 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। दवा बनाने वाली कंपनी सन फार्मा द्वारा इसी क्षेत्र की अमेरिकी कंपनी ऑर्गानॉन के अधिग्रहण की खबर के बाद भारतीय कंपनी का शेयर 7.03 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.88 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 2.72, टेक महिंद्रा में 2.64, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.13, एनटीपीसी तथा एचसीएल

वैश्विक बाजारों में मिलाजुला असर रहा

वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.38 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.16 प्रतिशत मजबूत हुआ। हांगकांग के हंग सेंग में 0.20 प्रतिशत की गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में फिलहाल जर्मनी का डैक्स 0.49 प्रतिशत ऊपर रहा जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.27 प्रतिशत नीचे था।

टेकनोलॉजीज दोनों में 2.12 और टीसीएस में 2.09 प्रतिशत की तेजी रही। टाटा स्टील का शेयर 1.67 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.54, पावरग्रिड का 1.45, मारुति सुजुकी का 1.37 और इंसोसिस का 1.34 प्रतिशत चढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, इंडिगो, टाइटन, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी हरे निशान में रहे। एक्सिस बैंक का शेयर 3.05 फीसदी लुढ़क गया। बीईएल में दो प्रतिशत की गिरावट रही। ट्रेट, आईसीआईसीआई बैंक और इटरनल के शेयर भी टूट गए।

नई दिल्ली

भारतीय मध्यम वर्ग के बटुए में अब क्रेडिट कार्ड सिर्फ एक प्लास्टिक मनी नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। आरबीआई के ताजा आंकड़े इसकी तस्दीक करते हैं। फरवरी 2025 में जहां क्रेडिट कार्ड से खर्च 1.68 लाख करोड़ रुपये था, वहीं फरवरी 2026 में यह 6% बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, दिसंबर 2025 के 2.05 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले इसमें कुछ गिरावट देखी गई है, लेकिन कार्ड का बढ़ता चलन साफ है।

क्रेडिट कार्ड हमें 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' की आजादी तो देता है, लेकिन इस चमक-दमक के बीच एक ऐसा कदम है, जो आपके वित्तीय स्वास्थ्य को गंभीर रूप से बीमार कर सकता है और वह है क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी। फरवरी 2026 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पीओएस और ई-कॉमर्स के जरिए लेनदेन का हिस्सा सबसे बड़ा है, लेकिन एक बड़ी राशि 'कैश विड्रॉल' के रूप में भी निकाली गई है। लोग अक्सर आपात स्थिति में या छोटे खर्चों के लिए एटीएम से क्रेडिट कार्ड डालकर पैसे निकाल लेते हैं। फरवरी 2026 में 364.26 करोड़ रुपये निकाले गए, दिसंबर 2025 में क्रेडिट कार्ड से कैश विड्रॉल का यह आंकड़ा 393.14 करोड़ रुपये था। सुनने में यह एक सुविधा लगती है, लेकिन असल में यह आपकी जेब पर पड़ने वाला सबसे महंगा बोझ है।

भारी ब्याज से बिगड़ सकता है बजट



तय्या है विकल्प?

- यदि आपको कैश की सख्त जरूरत है, तो क्रेडिट कार्ड के बजाय ये विकल्प बेहतर हैं:
- आपातकालीन फंड: हमेशा 3-6 महीने का खर्च अलग रखें।
- पर्सनल लोन: क्रेडिट कार्ड कैश के मुकाबले पर्सनल लोन की ब्याज दरें काफी कम होती हैं।
- बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल): छोटे खर्चों के लिए बीएनपीएल का उपयोग करें।

क्रेडिट कार्ड से नकद निकालना बैंक की नजर में आपकी क्रेडिट हंगर यानी पैसों की अत्यधिक तंगी को दर्शाता है। इससे आपका सिबिल स्कोर नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है, जिससे भविष्य में होम लोन या कार लोन मिलना मुश्किल हो जाता है।

औद्योगिक उत्पादन में बड़ी गिरावट की आशंका

2 फीसदी रह सकती है वृद्धि दर; यूनिनयन बैंक की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। विनिर्माण और ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक कमजोरी से देश के औद्योगिक उत्पादन में मार्च के आंकड़ों में बड़ी गिरावट आ सकती है। यूनिनयन बैंक ऑफ इंडिया के रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

(आईआईपी) की वृद्धि दर मार्च में काफी धीमी होकर 2 फीसदी रह सकती है। यह फरवरी, 2026 में दर्ज 5.2 फीसदी की वृद्धि के मुकाबले बड़ी गिरावट है। मार्च, 2025 में औद्योगिक उत्पादन 3.9 फीसदी बढ़ा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण पीएमआई घटकर मार्च में 53.9 पर आ गई, जो जून, 2022 के बाद इसका निम्नतम स्तर है। विनिर्माण और ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी गिरावट ने बढ़ती इनफुट लागत एवं आपूर्ति में रुकावट के बीच उत्पादन पर बुरा असर डाला है।

मेकमायट्रिप का अडानी एयरपोर्ट्स से करार

ऑनलाइन कर सकेगे ड्यूटी फ्री शॉपिंग

नई दिल्ली। ऑनलाइन ट्रेवल पोर्टल मेकमायट्रिप ने अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के साथ करार किया है जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय यात्री ड्यूटी फ्री स्टोर से सामान की प्री-बुकिंग कर सकेगे। दोनों कंपनियों ने सोमवार को इस संबंध में हुए करार की घोषणा की। अडानी एयरपोर्ट्स द्वारा संचालित हवाई अड्डों पर प्रस्थान और आगमन दोनों के लिए ड्यूटी-फ्री प्री-बुकिंग सेवा शुरू की गई है। यात्री 10 से अधिक श्रेणियों में 100 से अधिक ब्रांड और 14,000 से अधिक

बुकिंग कर सकेगे। दोनों कंपनियों ने सोमवार को इस संबंध में हुए करार की घोषणा की। अडानी एयरपोर्ट्स द्वारा संचालित हवाई अड्डों पर प्रस्थान और आगमन दोनों के लिए ड्यूटी-फ्री प्री-बुकिंग सेवा शुरू की गई है। यात्री 10 से अधिक श्रेणियों में 100 से अधिक ब्रांड और 14,000 से अधिक

एस्क्यू में से उत्पाद ब्राउज कर सकते हैं और अपनी यात्रा से पहले मेकमायट्रिप पर उन्हें प्री-बुक कर सकते हैं। साथ ही विभिन्न श्रेणियों में विशिष्ट ऑनलाइन ऑफर के लाभ भी ले सकते हैं। यह सेवा अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान और आगमन दोनों यात्रियों के लिए उपलब्ध है। इस पहल का उद्देश्य एयरपोर्ट पर

ब्राउजिंग और कतार में खड़े होने में लगने वाले समय को कम करना है। इससे चेक-इन से लेकर बोर्डिंग और आगमन तक समय प्रबंधन बेहतर होता है। अडानी एयरपोर्ट्स फिलहाल मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलूर, जयपुर और तिरुवनंतपुरम में ड्यूटी-फ्री आउटलेट्स संचालित करता है।

गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट्स में दावा

चीन के बाद भारत बन रहा स्टील डिमांड का इंजन

नई दिल्ली। दुनिया में स्टील की मांग का नक्शा तेजी से बदल रहा है और अब नजरें भारत पर टिकती जा रही हैं। एक समय था जब चीन वैश्विक स्टील डिमांड का सबसे बड़ा इंजन था, लेकिन अब भारत उसी भूमिका की तरफ बढ़ता दिख रहा है। देश में तेजी से बढ़ता इन्फ्रास्ट्रक्चर, शहरीकरण और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर स्टील की मांग को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। यही वजह है कि भारतीय मेटल कंपनियों के लिए आने वाला समय बेहद अहम माना जा रहा है।

गोल्डमैन सैक्स की हालिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि भारत में स्टील की खपत आने वाले वर्षों में जोरदार तरीके से बढ़ सकती है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2032 तक स्टील की खपत करीब दोगुनी होकर 212 मिलियन टन तक पहुंच सकती है। इसका मतलब है कि हर साल करीब 6.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि देखने को मिल

सकती है। फिलहाल भारत में प्रति व्यक्ति स्टील खपत करीब 102 किलो है, जो वैश्विक औसत का लगभग आधा है। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि भारत में स्टील की मांग बढ़ने की काफी गुंजाइश अभी बाकी है। मेटल कंपनियों के मुनाफे को लेकर भी तस्वीर बेहतर

होती दिख रही है। कच्चे माल और तैयार उत्पाद के बीच का अंतर यानी स्प्रेड अभी लंबी अवधि के औसत से ऊपर है। इससे कंपनियों की कमाई में सुधार हो रहा है। कर्ज की लागत में कमी और उत्पादन क्षमता बढ़ने से भी कंपनियों को फायदा मिल सकता है। अनुमान है

सुस्त पड़ रही है। यानी वैश्विक स्तर पर मांग की जो कमी दिख रही है, उसे काफी हद तक भारत पूरा कर सकता है। यह स्थिति कुछ वैसी ही है जैसी पहले चीन के औद्योगिक विकास के दौरान देखने को मिली थी।

कि वित्तीय वर्ष में जहां औसत मुनाफा मार्जिन 2.7 प्रतिशत था, वह बढ़कर करीब 9.2 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

सोना 1.52 लाख और चांदी 2.45 लाख के पार

वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के भाव में मिलाजुला रुख रहा

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में सोमवार को मजबूत रिकवरी दर्ज की गई। शुरुआती गिरावट के साथ खुलने के बावजूद, घरेलू मेटली कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमतें धातुओं के दाम तेजी से ऊपर चढ़े और खबर लिखे जाने तक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालांकि रुख कुछ मिला-जुला रहा। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट दिन की शुरुआत 4 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 1,52,695 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई थी, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,699 रुपये था। हालांकि, बाजार खुलते ही इसमें तेजी आ गई और खबर लिखे जाने तक यह 114 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,813 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,53,008 रुपये का उच्च और 1,52,640



रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने का सर्वोच्च स्तर 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा है। चांदी के वायदा भाव में भी इसी तरह का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मई कॉन्ट्रैक्ट 961 रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 2,43,675 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला था, जिसका पिछला बंद भाव 2,44,636 रुपये था। लेकिन जल्द ही यह गिरावट खत्म हुई और खबर लिखे जाने तक चांदी 516 रुपये की तेजी के साथ 2,45,152 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। दिन के दौरान इसने 2,45,473 रुपये का उच्चतम और 2,43,253 रुपये का न्यूनतम

स्तर देखा। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी का रुख रहा। सोना 4,713.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो पिछले बंद भाव 4,740.90 डॉलर से कम था। खबर लिखे जाने तक यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 4,739.20 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 75.50 डॉलर प्रति औंस पर खुली और खबर लिखे जाने तक 0.04 डॉलर की मामूली तेजी के साथ 75.45 डॉलर प्रति औंस पर देखी गई, हालांकि यह अपने पिछले बंद भाव (76.41 डॉलर) से अभी भी नीचे थी। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ था।

स्काईहॉप एविएशन को मिला एयर ऑपरेटर प्रमाण-पत्र

नई दिल्ली। स्काईहॉप एविएशन को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) मिल गया है। इसके साथ ही कंपनी देश में पहली बार वाणिज्यिक सोलैने संचालन शुरू करने के और करीब पहुंच चुकी है। स्काईहॉप एविएशन किरायाती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट के प्रवर्तक अजय सिंह की बेटी अश्विनी सिंह की कंपनी है। वाणिज्यिक सी-प्लेन संचालन शुरू करने के लिए इस महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के गंगा बैराज और टिहरी झील पर पानी में टेक-ऑफ और लैंडिंग के सफल परीक्षण किये गये थे। कंपनी की सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उसका उद्देश्य उन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार करना है जहां पारंपरिक हवाई अड्डे बनाना मुश्किल है। पहले चरण में लक्षद्वीप के पांच द्वीपों को आपस में और मुख्य भूमि से जोड़ने की योजना है। संचालन 19-सीटर विमान से शुरू होगा।

किसानों के लिए हाई-वैल्यू फसल के रूप में उभर रहा यह मॉडल

पतंजलि ने दिखाई 'चंदन वन' की राह, इस करिश्मे से योगी भी हैरान, पहाड़ से पलायन रोकने की है 'मॉडल' में ताकत

हरिद्वार। देश में चंदन की खेती लंबे समय तक दक्षिण भारत तक सीमित मानी जाती रही, लेकिन अब यह धारणा बदल रही है। उत्तराखंड में पतंजलि की ओर से विकसित 'चंदन वन' मॉडल ने साबित किया है कि अनुकूल परिस्थितियों में उत्तर भारत में भी चंदन की सफल खेती संभव है। प्रदेश के कई जिलों में इसके सकारात्मक उदाहरण सामने आ चुके हैं। हरिद्वार स्थित पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने करीब दो दशक पहले चंदन की खेती पर प्रयोग शुरू किए थे। उस समय उत्तर भारत में इसकी खेती लगभग न के बराबर थी। पतंजलि के रिसर्च सेंटर और औषधीय उद्यान में लगाए गए चंदन के पौधों

पर किए गए अध्ययन में सकारात्मक परिणाम मिले, जिसके बाद राज्य के कई जिलों में किसानों और निजी संस्थाओं ने इस मॉडल को अपनाया शुरू कर दिया। विशेषज्ञों के अनुसार चंदन एक अर्ध-परजीवी वृक्ष है, जिसकी वृद्धि के लिए अन्य पौधों की जड़ों से पोषण आवश्यक होता है। इसलिए इसकी खेती वैज्ञानिक पद्धति और उचित प्रबंधन पर निर्भर करती है। इसी क्रम में उत्तरप्रदेश के



पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण पौड़ी जनपद के यमकेश्वर ब्लाक स्थित माला गांव के धन्वतरि धाम में।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक क्षेत्र यमकेश्वर पहुंचे, जहां आचार्य बालकृष्ण ने उन्हें वह इलाका दिखाया। यह वही भूमि थी, जिसे पहले अनुपयोगी और बंजर माना जाता था, लेकिन अब वहां 'चंदन वन' और घनी हरियाली विकसित हो चुकी थी। इस परिवर्तन को देखकर योगी आदित्यनाथ कुछ क्षणों के लिए ठिठक गए, रोमांचित हो उठे और अर्चाभित रह गए। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जहां कभी कुछ उगता नहीं था, वहां आज इतनी समृद्ध हरियाली देखना अविश्वसनीय है। आचार्य बालकृष्ण ने इस उदाहरण के माध्यम से बताया कि यदि इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाया जाए, तो न केवल बंजर भूमि को उपयोगी बनाया जा सकता है, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। चंदन की खेती कम भूमि में की जा सकती है, जो 10-15 वर्षों में तैयार होकर प्रति हेक्टर लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये तक का लाभ दे सकती है।

देखकर योगी आदित्यनाथ कुछ क्षणों के लिए ठिठक गए, रोमांचित हो उठे और अर्चाभित रह गए। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जहां कभी कुछ उगता नहीं था, वहां आज इतनी समृद्ध हरियाली देखना अविश्वसनीय है। आचार्य बालकृष्ण ने इस उदाहरण के माध्यम से बताया कि यदि इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाया जाए, तो न केवल बंजर भूमि को उपयोगी बनाया जा सकता है, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। चंदन की खेती कम भूमि में की जा सकती है, जो 10-15 वर्षों में तैयार होकर प्रति हेक्टर लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये तक का लाभ दे सकती है।

आचार्य बालकृष्ण की खोज से शुरू हुई पहल

आचार्य बालकृष्ण ने अब से कई वर्ष पहले उत्तराखंड के मणिकूट पर्वत पर चंदन की मौजूदगी से जुड़े एक समाचार को पढ़ने के बाद इसकी संभावनाओं की पड़ताल की। दरअसल, समाचार में जिक्र था कि मणिकूट पर्वत की पहाड़ियों पर कभी चंदन होता था और इसे नदी के रास्ते यूपी के कन्नौज तक भेजा जाता था। इसकी सत्यता जानने के लिए आचार्य बालकृष्ण और उनकी टीम निकली। वैज्ञानिक जांच-पड़ताल के बाद यह बात सामने आई कि चंदन के पेड़ की मौजूदगी इस क्षेत्र में

रही है लेकिन नितीति भर की। उन्होंने हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों में चंदन के पौधे लगाने का निर्णय लिया। पतंजलि औषधीय उद्यान में लगाए गए पौधे कुछ ही वर्षों में विकसित होकर 'चंदन वन' के रूप में बदल गए। इसके बाद पौड़ी जिले सहित अन्य क्षेत्रों में भी यह प्रयोग सफल रहा। इस पहल ने उत्तराखंड में चंदन की खेती की संभावनाओं को मजबूत आधार दिया। जिससे 'चंदन वन' यानि चंदन की खेती को हाई-वैल्यू फसल के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तराखंड का पलायन रोक सकता है 'चंदन वन'

उत्तराखंड में बढ़ते पलायन को रोकने के लिए आचार्य बालकृष्ण ने इंटरनेशनल कॉफ्रेंस ऑन विजन 2047 आईआईटी रुड़की में अपना स्पष्ट 'विजन' रखा। उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश में लोग पहाड़ छोड़ रहे हैं, जबकि स्थानीय संसाधनों के सही उपयोग से यहीं समृद्धि लाई जा सकती है। उन्होंने यमकेश्वर ब्लॉक का एक अनुभव साझा किया। कुछ वर्ष पहले वे वहां की पहाड़ियों में पहुंचे, जहां बड़े हिस्से में जमीन बंजर और सूखी पड़ी थी। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के उद्देश्य से उन्होंने जलवायु के अनुरूप चंदन सहित अन्य पौधों का रोपण शुरू कराया। शुरुआती प्रयासों के बाद धीरे-धीरे यह प्रयोग सफल हुआ और कुछ ही वर्षों में वही क्षेत्र हरियाली से आच्छादित हो गया।

उनका मानना है कि इस तरह के प्रयास पहाड़ों में स्थायी आजीविका के नए अवसर पैदा

करेंगे और पलायन को प्रभावी रूप से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।